✳Website : www.kalamlok.com✳

वर्ष - 09 अंक - 333
बक्सर, शुक्रवार 17 अप्रैल 2026
<7|
कलम लोक
पृष्ठ - 8
मूल्य 2 रू.

"सत्य के समान कोई धर्म नहीं है। सत्य से उत्तम कुछ भी नहीं हैं और झूठ से बढ़कर तीव्रतर पाप इस जगत् में दूसरा नहीं है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी फुल ऐक्शन में, अधिकारियों से बोले- रिजल्ट चाहिए, काम की स्पीड बढ़ाओ

पटना (एजेंसी)।

बिहार के नवनियुक्त मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पदभार ग्रहण करने के बाद से फुल ऐक्शन में नजर आ रहे हैं। सीएम की शपथ लेने के बाद दूसरे दिन भी उन्होंने वरीय अधिकारियों के साथ बैठक की और उन्हें सख्त निर्देश दिए। सीएम सम्राट ने कहा कि उन्हें रिजल्ट चाहिए, अधिकारी काम की स्पीड बढ़ाएं। उन्होंने योजनाओं को लागू करने की मौजूदा गति को और तेज करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अधिकारियों से कहा है कि राज्य की जनता निश्चिंत रहे, हर हाल में यह सुनिश्चित हो। मुख्यमंत्री ने इसको लेकर वरीय अधिकारियों को कई टास्क भी सौंपे हैं। मुख्यमंत्री सचिवालय में सीएम सम्राट ने गुरुवार को उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी एवं बिजेंद्र प्रसाद यादव, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के समक्ष यह स्पष्ट कर दिया है कि योजनाओं के कार्यान्वयन की मौजूदा गति को और तेज करें। साथ ही भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई हो। किसी स्तर पर जनता को परेशानी न हो। थानों में जनता की बातें सुनी जाए और तत्काल कार्रवाई हो।

सम्राट चौधरी ने अपने चैंबर में अधिकारियों के साथ मुलाकात के दौरान वहां की कार्य पद्धति के संबंध में विभिन्न बिन्दुओं पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने मुख्यमंत्री सचिवालय के विभिन्न भागों का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार और कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्यपदाधिकारी गोपाल सिंह, गृह विभाग के विशेष कार्य पदाधिकारी संजय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. चन्द्रशेखर सिंह उपस्थित रहे।

विधायक और एमएलसी से सीएम की मुलाकात

इसके पहले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को पटना के पांच, देशरत्न मार्ग स्थित अपने आवास पर में जनप्रतिनिधियों, पार्टी कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात की। सम्राट के मुख्यमंत्री बनने पर विधायक, एमएलसी और अन्य जनप्रतिनिधियों समेत बड़ी संख्या में लोगों ने सीएम को पुष्प गुच्छ, अंगवस्त्र तथा स्मृति चिह्न भेंटकर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने सभी लोगों की बधाई और शुभकामनाएं स्वीकार करते हुए उनका आभार जताया।

सीएम बोले- महिला आरक्षण के साथ खड़ा है बिहार

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार लोकसभा एवं विधानसभाओं में इस देश की सभी महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान करने जा रही है। पूरा बिहार उनके इस फैसले के साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री देश की सभी बहनों को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर उन्हें मजबूती देने का काम कर रहे हैं। उन्होंने गुरुवार को कदमकुआं स्थित जेपी के आवास महिला चरखा समिति परिसर में स्थापित लोकनायक जयप्रकाश नारायण एवं उनकी धर्मपत्नी स्व. प्रभावती देवी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने महिला चरखा समिति का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने जयप्रकाश अध्ययन एवं शोध केंद्र, प्रभावती स्मृति कक्ष, शयन कक्ष, सम्पूर्ण क्रांति सभागार आदि का जायजा लिया।

इजरायल-लेबनान में दस दिनों का सीजफायर

क्रेडिट ले डोनाल्ड ट्रंप बोले- अब तक 10 युद्ध रुकवाए

तेल अवीव (एजेंसी)।

इजरायल और लेबनान के बीच युद्धविराम को लेकर सहमति बन गई है। दोनों देशों के बीच अगले 10 दिनों के लिए सीजफायर हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को यह ऐलान किया। ट्रंप ने बताया कि यह सीजफायर पूर्वी समय के अनुसार शाम 5 बजे शुरू होने वाला है। उन्होंने इसका खुद क्रेडिट भी लिया और कहा कि अब तक वह नौ युद्ध रुकवा चुके हैं और यह 10वां होगा। उन्होंने कहा, ''चलो इसे पूरा करके दिखाते हैं।''

राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लड़ाई में इस विराम की घोषणा करते हुए कहा कि यह लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बेहतरीन बातचीत के बाद हुआ है। इजरायल और ईरान समर्थित हिज्बुल्लाह समूह के बीच एक महीने से ज्यादा समय तक चले युद्ध के बाद, लेबनान और इजरायल ने मंगलवार को वॉशिंगटन में दशकों बाद अपनी पहली सीधी कूटनीतिक बातचीत की थी। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और अन्य लोगों को इजरायल और लेबनान के साथ मिलकर स्थायी शांति हासिल करने के लिए काम करने का निर्देश दिया है।

ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर लिखा, ''अभी-अभी मेरी लेबनान के अत्यंत सम्मानित राष्ट्रपति जोसेफ आउन और इजरायल के प्रधानमंत्री बीबी नेतन्याहू के साथ बहुत ही बेहतरीन बातचीत हुई। इन दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई है कि अपने देशों के बीच शांति स्थापित करने के लिए, वे समय के अनुसार शाम 5 बजे से औपचारिक रूप से 10 दिनों का सीजफायर शुरू करेंगे। मंगलवार को, 34 वर्षों में पहली बार, इन दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने वाशिंगटन में हमारे महान विदेश मंत्री, मार्को रूबियो के साथ मुलाकात की।''

उन्होंने आगे कहा, ''मैंने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री रूबियो को, 'जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' के चेयरमैन डैन रेजिन केन के साथ मिलकर, इजरायल और लेबनान के बीच एक स्थायी शांति स्थापित करने की दिशा में काम करने का निर्देश दिया है। दुनिया भर में 9 युद्धों को सुलझाना मेरे लिए एक सम्मान की बात रही है, और यह मेरा 10वां होगा। तो चलिए, इसे पूरा करके दिखाते हैं।'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने घोषणा की थी कि इजरायल और लेबनान के नेता लड़ाई रोकने के बारे में बात करेंगे।

सास-बहू वाली तो हार गईं, अखिलेश यादव ने स्मृति ईरानी पर कसा तंज; आया पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को पेश किए गए महिला आरक्षण बिल और परिसीमन विधेयक का लेकर संसद में अपनी बात रखी। इस दौरान, उन्होंने अमेठी से पूर्व सांसद स्मृति ईरानी का बिना नाम लिए हुए उन पर तंज कसा। बाद में स्मृति ईरानी ने भी अखिलेश पर पलटवार किया। अखिलेश ने कहा कि अगर आप सीट रिजर्व कर देंगे तो महिलाओं के बीच ही कॉम्प्टीशन करवा रहे हैं। उन्होंने पार्टी आधार पर महिला आरक्षण का प्रावधान करने की मांग की और भाजपा की एक पूर्व सांसद स्मृति ईरानी पर परोक्ष रूप से तंज कसते हुए कहा, ''सास-बहू वाली तो हार गई हैं आपकी। पार्टी को तो मौका मिलेगा।'' सपा सांसद ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी चक्रीय आधार पर महिला आरक्षण के खिलाफ है क्योंकि ऐसा होने पर कोई भी अपने क्षेत्र में जनता से ज्यादा भावनात्मक लगाव नहीं रखेगा।

इस पर स्मृति ईरानी ने भी पलटवार किया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''सुना है आज अखिलेश जी ने संसद में मुझे याद किया। अच्छा है, जिनको राजनीति धरोहर में मिली, वे उनको भी याद करते हैं जो अपने दम पर आसमान में सुराख करते हैं। कामकाजी औरत पर वे टिप्पणी करते हैं जिन्होंने जिंदगी में कभी कोई नौकरी नहीं की। सीरियल से हटाकर संसद पर ध्यान लगाएं, महिलाओं के संबल हेतु अहम बिल पास कराएं।''

पार्टी आधार पर महिला आरक्षण का प्रावधान करने की मांग की सांसद स्मृति ईरानी ने

इससे पहले, समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लोकसभा में आरोप लगाया कि भाजपा महिला आरक्षण विधेयक के बहाने ''नारी को नारा बनाने'' की कोशिश कर रही है। सपा प्रमुख ने महिला आरक्षण से संबंधित तीन विधेयकों पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि उनकी पार्टी महिलाओं के लिए आरक्षण के समर्थन में है, लेकिन ''भाजपाई चालबाजी'' के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया, ''भाजपा इस (महिला) आरक्षण को लेकर नारी को नारा बनाने की कोशिश कर रही। लेकिन जिन्होंने नारी को अपने संगठन में नहीं रखा, उनका मान-सम्मान कैसे रखेंगे। जिस मूल संगठन से आप निकले हैं, उसमें मान-सम्मान के लिए कितनी नारी हैं?'' सपा सांसद ने कहा, ''हम महिलाओं के आरक्षण के पक्ष में है, लेकिन सवाल यह है कि भाजपा के अंदर जल्दबाजी क्यों है? सच तो यह है कि भाजपा जनगणना को टालनी चाहती है, वह जाति जनगणना को टालना चाहती है और ऐसा कर वह आरक्षण को टालना चाहती है।''

उन्होंने सरकार पर आधी आबादी में मुस्लिम महिलाओं को नहीं गिनने का आरोप लगाते हुए कहा, ''हमारी मांग है कि आधी आबादी में पिछड़े और मुस्लिम महिलाओं को भी शामिल किया जाए।'' उन्होंने दावा किया कि भाजपा का असली लक्ष्य वोट हासिल करना और सत्ता में बने रहना है, इसलिए ये विधेयक लाए गए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की यही राजनीतिक चाल है कि जब पुराने लोग समझ जाते हैं तो वे नये लोगों को लक्षित करते हैं, लेकिन वह इसमें सफल नहीं होगी। उत्तर प्रदेश कन्नौज से सपा सांसद ने सत्तारूढ़ दल पर यह भी आरोप लगाया, ''भाजपा की कमीशन खोरी और चंदा वसूली की वजह से जो महंगाई बढ़ी है उससे उनकी (महिलाओं की) रसोई सूनी हो गई है। रही-सही कसर सिलेंडर की कमी और बेतहाशा बढ़ती कीमतों ने पूरी कर दी है।

एआई कंपनी में वैकेंसी, करोड़ों की सैलरी, रहना-खाना फ्री, पार्टनर भी मिलेगा

सेन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। एआई के आने से बीते कुछ महीनों में हजारों लोगों की नौकरी चली गई। कई लोगों के मन में तो अभी भी यह डर है कि कहीं,ढ्व की वजह से उनकी नौकरी न चली जाए। लेकिन अब एक अजब-गजब मामला सामने आया है। दरअसल, एक एआई कंपनी एक इंजीनियर तलाश रही है और कंपनी न केवल उसके मुफ्त में रहने, खाने की व्यवस्था करेगी बल्कि उसे पार्टनर (गर्लफ्रेंड/बॉयफ्रेंड) भी ढूंढ कर देगी। सुनने में यह अजीब लग सकता है, लेकिन यह एकदम सच है।

मुफ्त रहने की जगह, मुफ्त खाना, और एक साल बाद पक्का एक गर्लफ्रेंड/बॉयफ्रेंड- ये वो फायदे हैं जो सैन फ्रांसिस्को की एक एआई कंपनी एक 'फाउंडिंग इंजीनियर' को नौकरी पर रखने के लिए दे रही है। कई आवेदकों के लिए यह एक अनोखा मौका है, क्योंकि कोई भी कंपनी - कम से कम भारत में तो नहीं- एक साल बाद गर्लफ्रेंड या बॉयफ्रेंड का वादा नहीं करती, जबकि इंक्रीमेंट तो दूर की बात है। खैर, अगर आपको यह मौका दिलचस्प लगता है, तो आप इस नौकरी के लिए खुद को परफेक्ट मानते हैं, तो अप्लाई करने के लिए Cluely की वेबसाइट पर जा सकते हैं। यह जॉब Cluely की तरफ से है, जो एक AI कंपनी है और लोगों को हर तरह की सिचुएशन में चीटिंग करने में मदद करने वाले टूल्स बनाती है।

तमिलनाडु 59, केरल 30; किसी की भी सीटें न होंगी कम

शाह ने तोड़ा दक्षिण के राज्यों पर 'सियासी भ्रम'

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नए परिसीमन के बाद दक्षिणी राज्यों का संसद में प्रतिनिधित्व कम होने की आशंकाओं को खारिज करते हुए गुरुवार को कहा कि उनकी हिस्सेदारी कम नहीं होगी, बल्कि बढ़ेगी और 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले सभी चुनाव मौजूदा व्यवस्था के तहत ही होंगे। लोकसभा में महिला आरक्षण अधिनियम से संबंधित 'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026', 'परिसीमन विधेयक, 2026' और 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' पर चर्चा में कुछ विपक्षी सदस्यों की विभिन्न आशंकाओं और आपत्तियों को खारिज करते हुए शाह ने ये बातें कहीं।

उन्होंने कहा कि वह विधेयकों पर चर्चा का जवाब शुक्रवार को विस्तार से देंगे, लेकिन कुछ भ्रांतियों को अभी दूर करना चाहते हैं। शाह ने विपक्ष के 'सियासी भ्रम' को तोड़ते हुए कहा कि ऐसी धारणा पैदा की जा रही है कि इन तीनों विधेयकों के पारित होने से दक्षिण राज्यों की संख्या लोकसभा में बहुत कम हो जाएगी और उन्हें बड़ा नुकसान होगा। उन्होंने इसे खारिज करते हुए कहा कि कर्नाटक में अभी 28 लोकसभा सीट हैं जो कुल 543 सीट का 5.15 प्रतिशत हैं, लेकिन ये विधेयक पारित होने के बाद कर्नाटक के सदस्यों की संख्या 42 हो जाएगी जो कुल 816 सीटों का 5.14 प्रतिशत होगी। शाह ने कहा कि आंध्र प्रदेश में अभी 25 लोकसभा सीट हैं और उसका प्रतिनिधित्व 4.6 प्रतिशत है जो परिसीमन के बाद 38 (4.65 प्रतिशत) हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में मौजूदा सीट की संख्या 17 (3.13 प्रतिशत) है, जो बाद में 26 (3.18 प्रतिशत) हो जाएंगी।

केरल में सीटें बढ़कर हो जाएंगी 30

गृहमंत्री शाह ने कहा कि लोकसभा में अभी केरल का प्रतिनिधित्व 3.68 प्रतिशत है जो 3.67 प्रतिशत (30 सीट) हो जाएगा। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर अभी दक्षिणी राज्यों से 129 लोकसभा सदस्य आते हैं और उनका प्रतिनिधित्व 23.76 प्रतिशत है, जो 50 प्रतिशत वृद्धि के बाद 195 सीट और 23.97 प्रतिशत यानी 24 प्रतिशत हो जाएगा। शाह ने कहा, ''इसलिए प्रतिनिधित्व कम नहीं हो रहा, बढ़ रहा है।'' परिसीमन आयोग में पक्षपात की कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा की आशंकाओं पर शाह ने कहा, ''मैं प्रियंका जी से कहना चाहता हूं कि हमने परिसीमन आयोग अधिनियम में कोई बदलाव नहीं किया है। पूरी तरह आपके कानून को रिपीट किया है।''

पत्नी का अफेयर पति की आत्महत्या के लिए उकसावा नहीं : सुप्रीम कोर्ट

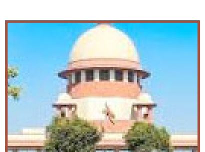

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि यदि कोई व्यक्ति अपनी पत्नी या पति के विवाहेतर संबंधों यानी एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के तनाव के कारण आत्महत्या कर लेता है, तो केवल इस संबंध के आधार पर पार्टनर पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा नहीं चलाया जा सकता।

जस्टिस के.वी. विश्वनाथन और जस्टिस अतुल चंदुरकर की पीठ ने कहा कि भारतीय दंड संहिता की धारा 306 के तहत किसी पर आरोप तय करने के लिए यह साबित करना आवश्यक है कि आरोपी ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, एक स्पष्ट इरादे के साथ आत्महत्या में योगदान दिया हो। अदालत ने कहा कि 'उकसाने' के लिए कोई ऐसा सक्रिय कदम होना चाहिए जिससे मृतक के

सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

पास अपनी जान लेने के अलावा कोई और विकल्प ही न बचे।

सुप्रीम कोर्ट ने उस व्यक्ति के खिलाफ मामला रद्द कर दिया, जिस पर मृतक की पत्नी के साथ संबंध होने का आरोप था। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि: भले ही यह मान लिया जाए कि उनके बीच अवैध संबंध थे, लेकिन इसमें आत्महत्या के लिए उकसाने की आपराधिक मंशा नहीं थी। पीठ ने कहा- ऐसा कोई आरोप या सबूत नहीं है जिससे यह साबित हो कि अपीलकर्ता (पत्नी के प्रेमी) ने मृतक को आत्महत्या के लिए उकसाया हो या किसी अवैध कृत्य/चूक के जरिए उसे अपनी जान लेने में मदद की हो।

शीर्ष अदालत ने इस मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें केवल इस आधार पर ट्रायल चलाने की अनुमति दी गई थी कि मृतक अपनी पत्नी के कथित संबंधों की वजह से परेशान और तनाव में था। अभियोजन पक्ष ने दलील दी थी कि पत्नी के प्रेमी की मौजूदगी में मृतक का अपमान होना आत्महत्या के लिए उकसाने के बराबर है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस दलील को खारिज कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई यह राहत केवल उस व्यक्ति यानी पत्नी के प्रेमी के लिए है जिसने अदालत में अपील की थी। मृतक की पत्नी भी इस मामले में सह-आरोपी है, लेकिन उसने अपने खिलाफ चल रहे ट्रायल को चुनौती नहीं दी थी, इसलिए उसके खिलाफ मामला चलता रहेगा। अदालत ने अपने फैसले का सार बताते हुए कहा कि उकसाने के किसी 'सकारात्मक कृत्य' को दर्शाने के लिए ठोस सबूत होने चाहिए। इसके अलावा, यह उकसावा आत्महत्या की घटना के बिल्कुल करीब के समय में होना चाहिए, ताकि कृत्य और आत्महत्या के बीच एक स्पष्ट संबंध स्थापित किया जा सके। केवल संबंध होने के तनाव को उकसावा नहीं माना जा सकता।

जीडीपी रैंकिंग में छठे स्थान पर लुढ़का भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को लेकर नए अनुमान जारी किए हैं। इन ताजा आंकड़ों के अनुसार, भारत डॉलर के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की सूची में एक पायदान नीचे खिसक कर छठे स्थान पर आ गया है और ब्रिटेन फिर से भारत से आगे निकल गया है। इससे पहले भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, लेकिन अब वह छठे स्थान पर आ गया है। हालांकि, वास्तविक विकास दर के मामले में भारत अभी भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। 2024 में भारत 5वें स्थान पर था। भारत की जीडीपी 3.76 ट्रिलियन डॉलर थी, जबकि ब्रिटेन की जीडीपी 3.7 ट्रिलियन डॉलर थी। यानी भारत ब्रिटेन से आगे था। 2025 में भारत की जीडीपी बढ़कर 3.92 ट्रिलियन डॉलर हो गई, लेकिन ब्रिटेन की जीडीपी भी तेजी से बढ़कर 4 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई।

सेंट्रल फोर्स ने मेरी कार रोकने की कोशिश की : ममता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव प्रचार के दौरान केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला। इस्लामपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि जब वह कोलकाता एयरपोर्ट जा रही थीं, तब केंद्रीय बलों ने उनके वाहन की तलाशी लेने का प्रयास किया।

ममता बनर्जी ने सुरक्षा बलों की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा, 'एयरपोर्ट पर केंद्रीय बल मेरी गाड़ी के पास आए। मैंने उनसे कहा कि शौक से चेक करें। लेकिन मेरा सवाल यह है कि यदि केवल तृणमूल नेताओं की गाड़ियां जांची जा रही हैं, तो प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के वाहनों की तलाशी क्यों नहीं ली जाती? क्या नियम केवल हमारे लिए हैं?' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि दिल्ली से आने वाले केंद्रीय मंत्री सुरक्षा बलों की गाड़ियों में नकद पैसा लेकर बंगाल पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री का यह बयान उस दिन आया जब तृणमूल कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर अभिषेक बनर्जी और उनके परिवार के वाहनों की चुनिंदा तलाशी लेने की शिकायत की थी।

वानखेड़े में पस्त हुई मुंबई की पलटन, पंजाब ने आईपीएल 2026 में लगाया जीत का 'चौका'

मुंबई (एजेंसी)। पंजाब किंग्स ने गुरुवार को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस को सात विकेट से करारी शिकस्त दी। मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 195 रन बनाए, इसके जावब में पंजाब किंग्स ने 21 गेंद शेष रहते मैच अपने नाम किया। पंजाब किंग्स ने 16.3 ओवर में तीन विकेट पर 198 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। पंजाब किंग्स के लिए सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने नाबाद 80 रन बनाए। श्रेयस अय्यर ने 66 रन बनाए। वहीं मुंबई के लिए गजनफर ने दो विकेट लिए।

मुंबई इंडियंस ने पंजाब किंग्स के खिलाफ पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 195 रन बनाए। मुंबई के लिए क्विंटन डिकॉक ने नाबाद 112 रन की दमदार पारी खेली। पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह ने तीन विकेट चटकाए। 196 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की टीम को पावरप्ले में दो झटके लगे। प्रियांस आर्या 9 गेंद में 15 और कूपर कॉनली

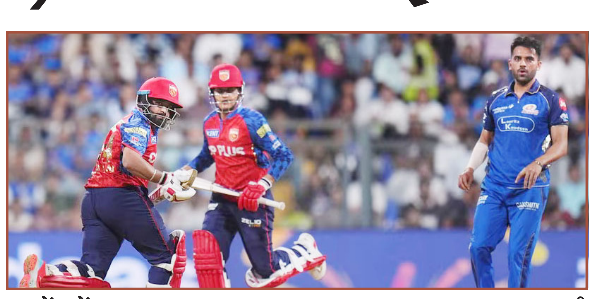

12 गेंद में 17 रन बनाकर आउट हुए। श्रेयस अय्यर 35 गेंद में 66 रन बनाकर आउट हुए। सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन ने 39 गेंद में 11 चौके और दो छक्के की मदद से नाबाद 80 रन बनाए। मार्कस स्टायनिस ने 10 रन का योगदान दिया।

मुंबई इंडियंस की वानखेड़े स्टेडियम में शुरुआत खराब रही है। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अपने दूसरे ओवर में रयान रिकल्टन (2) और सूर्यकुमार यादव (0) को पवेलियन का रास्ता दिखाया। नमन धीर 31 गेंद में 50 रन बनाकर आउट हुए। हार्दिक पांड्या ने 12 गेंद में 14 रन बनाए। क्विंटन डिकॉक ने 60 गेंद में नाबाद 112 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 8 चौके और सात छक्के लगाए। तिलक वर्मा ने 8 रन बनाए। तिलक रन आउट हुए। डिकॉक ने 60 गेंद में सात छक्कों और आठ चौकों से नाबाद 112 रन की पारी खेलने के अलावा नमन धीर (50 रन, 31 गेंद, तीन चौके, तीन छक्के) के साथ तीसरे विकेट के लिए उस समय 122 रन की साझेदारी की जब टीम तीसरे ओवर में 12 रन पर दो विकेट गंवाने के बाद संकट में थी। पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 22 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

तीनों करोड़पति हैं पर इनमें गरीब कौन; सम्राट, विजय और बिजेंद्र के पास कितना पैसा, कितनी संपत्ति?

पटना (संवाददाता)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और दोनों डिप्टी सीएम विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव विधानसभा के चुनाव हलफनामा के मुताबिक करोड़पति हैं। तीनों करोड़पति नेताओं में विजय चौधरी सबसे गरीब हैं, जिनके पास अपना और पत्नी का सब मिलाकर तीन करोड़ से ऊपर की संपत्ति है। सम्राट सबसे अमीर हैं, जिनके पास पत्नी और बच्चों का सब कुछ मिलाकर 11 करोड़ से ऊपर की जायदाद है। बिजेंद्र यादव इन तीन नेताओं में 4.05 करोड़ की प्रॉपर्टी के साथ दूसरे नंबर पर हैं। संपत्ति की यह जानकारी इन तीनों नेताओं ने नवंबर में विधानसभा चुनाव के दौरान शपथ पत्र में दी थी।

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेता सम्राट चौधरी के नेतृत्व में 15 अप्रैल को एनडीए सरकार ने शपथ ली थी, जिसमें उनके साथ जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव ने डिप्टी सीएम का पद संभाला है। पश्चिम बंगाल, असम समेत अन्य राज्यों के चल रहे चुनाव के 4 मई को आने वाले नतीजों के बाद सम्राट कैबिनेट का विस्तार होगा, जिसमें भाजपा और जदयू के अलावा लोजपा-आर, हम और रालोमो के नेताओं को मंत्री बनाया जाएगा। इस सरकार में ज्यादातर मंत्रियों के फिर से बनने की संभावना है। जो बदलाव दिखेंगे वह भाजपा और जदयू के ही लिस्ट में हो सकते हैं।

सम्राट चौधरी के हलफनामा में उनके नाम पर 99.32 लाख की चल संपत्ति हैं, जिसमें 7 लाख की पुरानी बोलेरो जीप, 200 ग्राम सोना, एक खुद की खरीदी राइफल और एक पिता शकुनी चौधरी की दी हुई रिवॉल्वर शामिल है। वेतन और किराया सम्राट की कमाई के जरिया हैं। सम्राट के बैंक में तब 13 लाख थे। उन्होंने करीब 31 लाख म्यूचुअल फंड और रिटायरमेंट फंड में भी निवेश कर रखा है। सम्राट की पत्नी कुमारी ममता वकील हैं। ममता की कमाई का जरिया किराया के साथ ही वकालत है। सम्राट की पत्नी के पास नकद, बैंक और जेवर सब मिलाकर चल संपत्ति 27.89 लाख है। बेटी के पास 41.04 लाख और बेटे के पास 26.08 लाख की चल संपत्ति है। सम्राट के परिवार के पास 1.98 करोड़ की चल संपत्ति है।

अचल संपत्ति को देखें तो सम्राट को पारिवारिक बंटवारे के बाद पिता से काफी जमीन मिली। सम्राट के नाम पर खुद से खरीदी 8 लाख की संपत्ति है, जबकि पैतृक संपत्ति 8.20 करोड़ की है। सम्राट की पत्नी के पास 1.08 करोड़ की अचल संपत्ति है। सम्राट दंपति के पास कुल 9.36 करोड़ की प्रॉपर्टी है, जिसमें जमीन, मकान शामिल हैं। सम्राट के नाम पर 9.27 करोड़ की संपत्ति है और पूरे परिवार की सारी चल-अचल संपत्ति जोड़ दें तो यह नंबर 11 करोड़ से ऊपर जाता है।

बिजेंद्र यादव के चुनावी हलफनामा के मुताबिक उनके पास पटना और सुपौल के दो बैंक में 2.27 करोड़ और 20 लाख कुल 2.47 करोड़ नकद जमा है। उनके पास 20 ग्राम सोना है, जबकि पत्नी के पास सोना 45 ग्राम है। पति-पत्नी को मिलाकर चांदी 920 ग्राम है। नकद, बैंक और जेवर मिलाकर बिजेंद्र यादव के पास 2.52 करोड़, जबकि पत्नी के पास 6.61 लाख की चल संपत्ति है। पत्नी के पास 6 लाख के जेवर और नकद 61 हजार थे। पत्नी का बैंक खाता भी नहीं है।

प्रॉपर्टी के नाम पर बिजेंद्र यादव के पास 75 लाख की पुश्तैनी जमीन के अलावा दो घर हैं, जिसमें एक विरासत में मिली और दूसरी खुद बनवाई। दोनों की कीमत 70 लाख है। सब मिलाकर अचल संपत्ति 1.45 करोड़ बनती है। बिजेंद्र यादव के अपने नाम पर 3.97 करोड़ और पत्नी को मिलाकर कुल 4.05 करोड़ की चल-अचल संपत्ति है।

डिप्टी सीएम विजय चौधरी सबसे गरीब

डिप्टी सीएम विजय चौधरी सीएम और डिप्टी सीएम तीनों में सबसे गरीब हैं, लेकिन 1.79 करोड़ के मालिक स्वयं हैं और पत्नी का मिला दें तो कुल संपत्ति 3.17 करोड़ तक पहुंच जाती है। विजय चौधरी के शपथ पत्र के मुताबिक बैंक खाता में 14.91 लाख, 12.33 लाख का शेयर और 77.41 लाख का म्यूचुअल फंड निवेश था। उनके पास 60 हजार की एक पुरानी मारुति ऑल्टो कार है। सोना भी 10 ग्राम है। विजय चौधरी को गांव में जमीन पर लगे मोबाइल टावर से हर महीने 6500 रुपया किराया मिलता है। उनके पास कुल 1.09 करोड़ की चल संपत्ति है। जमीन और मकान मिलाकर 70 लाख रुपये की प्रॉपर्टी है। चौधरी की पत्नी के बैंक में 12 लाख कैश थे। पत्नी के पास 27 लाख के जेवरात समेत 43.81 लाख रुपये की चल संपत्ति है। घर और जमीन मिलाकर पत्नी के नाम पर 95 लाख की प्रॉपर्टी है। विजय चौधरी दंपति के पास सब मिलाकर 3.17 करोड़ रुपये की संपत्ति है।

बिहार में 4 एमएलए ने खाली की एमएलसी सीट, फिर 3 किस्त में चुनाव क्यों? आरजेडी को नुकसान!

पटना (संवाददाता)। बिहार विधानसभा के लिए नवंबर में हुए चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) और जदयू के चार विधान पार्षद चुनाव जीतकर विधायक बन गए थे। सम्राट चौधरी, मंगल पांडेय, भगवान सिंह कुशवाहा और राधा चरण साह। इन सबने एक सदन का सदस्य रहते दूसरे सदन का सदस्य चुने जाने के नियमों के तहत रिजल्ट से 14 दिन के अंदर एमएलसी पद से इस्तीफा दे दिया था। अब चुनाव आयोग उन चार खाली सीटों के लिए चुनाव के कार्यक्रम किस्तों में घोषित कर रहा है। इन चार सीटों में तीन सीट विधानसभा सदस्यों के वोट से भरी जाती है, जबकि एक सीट स्थानीय निकाय कोटे की है, जिसमें जिला परिषद से पंचायत तक के निर्वाचित जनप्रतिनिधि वोट करते हैं। इससे राजद को घाटा की बातें हो रही हैं, लेकिन उस दावे में कितना दम है, ये समझते हैं।

पहले राधा चरण साह की भोजपुर-बक्सर की स्थानीय निकाय सीट के लिए 9 अप्रैल को चुनाव की घोषणा हुई और आज गुरुवार 16 अप्रैल को मंगल पांडेय की विधानसभा कोटे की सीट पर चुनाव का ऐलान हो गया। दोनों चुनाव 12 मई को होंगे, लेकिन मंगल पांडेय की सीट का नतीजा उसी दिन शाम में आ जाएगा, जबकि राधा चरण साह की सीट का रिजल्ट 14 मई को मतगणना से आएगा। एमएलसी की नवंबर में खाली हुई सम्राट चौधरी और भगवान सिंह कुशवाहा की 2 और सीटें बचीं हैं, जिनके लिए चुनाव आयोग तीसरी अधिसूचना अलग से जारी करेगा।

स्थानीय निकाय कोटे की सीट के वोटर पंचायती राज व्यवस्था के जनप्रतिनिधि होते हैं तो राधा चरण साह की सीट का कोई मसला ही नहीं है। बची 3 सीटें विधानसभा कोटे की हैं यानी जिनको विधायक चुनते हैं। इस कोटे की सीट में विधायकों के कुल मतदान के आधार पर जीत का कोटा तय होता है। विधान परिषद में विधायक कोटे की 3 खाली सीटों पर आयोग एक साथ चुनाव करवा देता तो जीत का कोटा 61 वोट के ऊपर जाता। एनडीए गठबंधन के पास 202 विधायक हैं। बचे हुए 41 के दम पर एक भी सीट नहीं निकल सकती है। इसलिए अगर कोई भ्रम है कि अलग-अलग चुनाव कराने से राजद को घाटा होगा तो यह समझ लेने की जरूरत है कि राजद को तब भी कोई मुनाफा नहीं होगा, जब खाली सीटों के चुनाव एक साथ हो जाएं।

एमएलसी चुनाव : दो पूर्व विधान पार्षदों के पुत्र आमने-सामने

मंगल पांडे का एमएलसी कार्यकाल 2030 तक था, इसलिए इस सीट को भरने के लिए उप-चुनाव होगा। सम्राट चौधरी और भगवान सिंह कुशवाहा वाली सीट का टर्म 28 जून 2026 को पूरा हो रहा है। यह सीट 2020 में द्विवार्षिक चुनाव से भरी गई थी। इनके कार्यकाल बहुत कम बचे थे, इसलिए इसे विधान परिषद की जून में खाली हो रही 7 अन्य सीटों के साथ चुनाव के लिए बचा लिया गया है। जून 2026 में इन 2 सीटों के अलावा जदयू के गुलाम गौस, भीष्म सहनी और कुमुद वर्मा, भाजपा के संजय मयूख, राजद के सुनील सिंह, फारूख शेक और कांग्रेस के समीर कुमार सिंह की सीट खाली होनी थी।

फिर चुनाव आयोग चुनाव तीन किस्त में क्यों करवा रहा है। इसका जवाब चुनावी नियमों में ही लिखा है। राधा चरण साह की सीट पर स्थानीय निकाय के वोटर वोट करेंगे, इसलिए उसे अलग रखा गया है। इस सीट पर उप-चुनाव है, क्योंकि साह का कार्यकाल अप्रैल 2028 तक था। मंगल पांडे, सम्राट चौधरी और भगवान सिंह कुशवाहा ने इस्तीफा तो नवंबर में दिया है, लेकिन उनकी सीटों के बचे हुए कार्यकाल में बहुत महत्वपूर्ण अंतर है, जिसके कारण मंगल पांडेय की सीट पर तो उप-चुनाव हो रहा है, लेकिन सम्राट चौधरी और भगवान सिंह कुशवाहा की सीट पर द्विवार्षिक चुनाव होंगे। इन तीन के चुनाव दो किस्त में होंगे।

चुनाव आयोग इन 9 सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव कराएगा। संभावना है कि मई में इसकी प्रक्रिया शुरू हो जाए। एमएलसी चुनाव नियम से जब 9 सीट पर चुनाव होंगे तो एक सीट जीतने के लिए 25 वोट का कोटा होगा। 25 विधायकों की वाली राजद एक सीट निकाल सकती है। महागठबंधन के पास 35 वोट हैं। विपक्ष में कुल 41 विधायक ही हैं, इसलिए दूसरी सीट मुश्किल होगी, क्योंकि उसके लिए 50 से ऊपर विधायकों का समर्थन चाहिए। विपक्ष को दूसरी सीट तो मिलती नहीं दिख रही, लेकिन एमएलसी चुनाव में यह देखना भी दिलचस्प रहेगा कि राबड़ी देवी के मुंहबोले भाई सुनील सिंह पार्टी के लिए बन पा रही एक सीट से दोबारा उतारे जाते हैं या असदुद्दीन ओवैसी की AIMIM राज्यसभा चुनाव में मदद का हिसाब मांग लेती है।

वंदे भारत एक्सप्रेस से टकराकर रिटायर्ड कर्मी की दर्दनाक मौत

पुल के नीचे सड़क पर बिखरा शव

जहानाबाद (संवाददाता)। बिहार के जहानाबाद में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से एक रिटायर्ट सरकारी कर्मचारी की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा जहानाबाद कोर्ट हॉल्ट के उत्तर दिशा में गुरुवार की दोपहर करीब 12 बजे हुआ। वंदे भारत ट्रेन से टकराते ही बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। उनका शव क्षत-विक्षत हालत में रेलवे ट्रैक के निकट बत्तीस भवरिया पुल के नीचे सड़क पर जा गिरा।

मृतक की पहचान नरेंद्र गिरी उर्फ गिरीजी के रूप में हुई है। वह मूल रूप से पटना के रहने वाले थे और जहानाबाद कोर्ट के निकट मोहल्ले में एक अपार्टमेंट के समीप मकान बनाकर अपनी पत्नी के साथ रहते थे। नरेंद्र गिरी पूर्व में प्रखंड कार्यालय में कार्यरत थे और वहीं से सेवानिवृत हुए थे। घटना की सूचना पाकर जहानाबाद नगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल में भिजवाया। इसके बाद उनके परिवार के बारे में तलाश की। सूचना पाकर शाम में परिजन आए और शव की पहचान की। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था।

इस घटना के संबंध में कुछ प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि उक्त बुजुर्ग हॉल्ट के रेलवे ट्रैक को क्रॉस कर दूसरी ओर जाना चाह रहे थे। उसी दौरान गयाजी की ओर से तेज रफ्तार में वंदे भारत एक्सप्रेस आ रही थी। उसी समय पटना की ओर से भी एक पैसेंजर ट्रेन आ रही थी। इसी गहमागहमी में बुजुर्ग ट्रैक को क्रॉस नहीं कर पाए। फिर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गए। ट्रेन से उनकी इतनी जोरदार टक्कर हुई कि बुजुर्ग का शव बिखर गया। क्षत-विक्षत हालत में पुल के नीचे सड़क पर गिरे शव को पहचानना भी मुश्किल हो रहा था।

हादसे के बाद घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ लग गई। उस वक्त किसी ने शव की पहचान नहीं की थी। इसकी सूचना नगर थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर उमेश प्रसाद को दी गई। नगर थाने के एएसआई विमलेंदु प्रकाश वहां पहुंचे। उन्होंने बताया कि तहकीकात में शव की पहचान हुई। मृतक पटना के निवासी थे। पुलिस को परिजनों ने बताया कि वे जहानाबाद प्रखंड कार्यालय से रिटायर हुए थे और घर बनाकर अपनी पत्नी के साथ रह रहे थे। किसी काम से वह गुजर रहे थे। इसी दौरान ट्रेन से हादसा हुआ। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंपा गया।

नीतीश कुमार की बात करते हुए रोने लगे अशोक चौधरी

निशांत ने पीठ पर रखा हाथ

पटना (संवाददाता)। जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के करीबी अशोक चौधरी एक बार फिर अपने नेता की बात करते हुए रोने लगे। उनके बगल में बैठे नीतीश के बेटे निशांत कुमार ने उन्हें संभाला। अशोक चौधरी की आंखों से आंसू निकले तो निशांत ने उनकी पीठ पर हाथ रखा। इससे वहां पर माहौल भावुक बन गया। लगभग दो दशक तक बिहार में सत्ता की कमान संभालने के बाद राज्यसभा जाने वाले नीतीश के 20 साल के कार्यकाल पर बनी एक शॉर्ट फिल्म की लॉन्चिंग की गई। इस दौरान अशोक चौधरी, निशांत समेत अन्य नेता मौजूद रहे।

जदयू के प्रदेश कार्यालय में पार्टी चीफ नीतीश कुमार को धन्यवाद देने के लिए गाने की लॉन्चिंग हुई। इस मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अशोक चौधरी भावुक हुए। नीतीश की उपलब्धियों को गिनाते हुए उनकी आंखों से आंसू निकल आए। इससे पहले भी वे नीतीश के राज्यसभा जाने के ऐलान के बाद कैमरे के सामने रोते हुए नजर आए थे। अशोक चौधरी नीतीश सरकार में ग्रामीण कार्य मंत्री रह चुके हैं। वह पूर्व सीएम के खास नेताओं में से एक हैं।

अशोक चौधरी ने इस मौके पर कहा कि सभी चाहते हैं कि नीतीश कुमार पूरे पांच सालों तक बिहार की कमान संभालते रहे। मगर उन्होंने खुद राज्यसभा जाने का फैसला लिया। इसलिए उनके सम्मान में यह शॉर्ट फिल्म और गीत तैयार किया गया है। वहीं, नीतीश के बेटे निशांत कुमार ने कहा कि नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी बिहार को नई दिशा देंगे। वह उनके नेतृत्व में काम करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उनके पिता तथा उनका पूरा सहयोग नई सरकार के साथ रहेगा। उन्होंने सम्राट चौधरी को अपना बड़ा भाई बताया और उन्हें नई शुरुआत के लिए बधाई भी दी।

निशांत ने अपने पिता पर बनी शॉर्ट फिल्म मेरा नेता, मेरा अभिमान की लॉन्चिंग की। इसमें नीतीश कुमार ने 20 साल में जो काम किया है उसे दिखाया गया है। साथ ही निशांत ने अपनी भावी योजनाओं का भी खुलासा किया। निशांत ने संकेतों में ही खुद के सरकार में शामिल नहीं होने को लेकर स्पष्ट किया कि अब वह जनता के बीच जाएंगे और पार्टी संगठन को मजबूत करने की दिशा में काम करेंगे।

मियां-बीवी का झगड़ा छुड़ाना पड़ गया महंगा

मधुबनी (संवाददाता)। मियां-बीवी के बीच झगड़ा शांत कराना एक महिला को भारी पड़ गया। झगड़ रहे पति ने गुस्से में झगड़ा छुड़ाने आए अपनी रिश्तेदार की ही हत्या कर दी। मामला बिहार के मधुबनी जिले के ललमनियां थाना क्षेत्र की है। मुनहरा नदी के पास स्थित एक ईंट-भट्ठे पर बुधवार देर रात पति-पत्नी किसी बात पर आपस में झगड़ने लग गए। इसी दौरान उनकी एक रिश्तेदार झगड़ा शांत कराने के लिए बीच-बचाव करने गई। तभी पत्नी से झगड़ रहे पति ने चाकू मारकर उसका खून कर दिया।

मृतक महिला की पहचान मरजीना बीबी के रूप में हुई है। उसकी उम्र लगभग 40 साल थी। वह पश्चिम बंगाल के सिताय थाना क्षेत्र की रहने वाली थी। बताया जा रहा है कि वह अपने पति मजिदूल रहमान के साथ ही यहां पर रहकर काम करती थी। जानकारी के अनुसार, मुनहरा नदी के पास स्थित ईंट भट्ठे पर मजीरुल हक नाम का शख्स आधी रात को अपनी पत्नी के साथ झगड़ा कर रहा था। शोरगुल होने पर मरजीना वहां पहुंची। उसका पति मजिदूल भी उसके साथ था। फिर मरजीना ने आपस में झगड़ रहे मजीरूल और उसकी बीवी को समझाने की कोशिश की। मरजीना मियां-बीवी के बीच-बचाव करने लगी तो पत्नी से झगड़ा कर रहा मजीरूल भड़क गया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश की महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए ऐतिहासिक कदम, मुख्यमंत्री नारी शक्ति वंदन महासम्मेलन में हुए शामिल

नारी शक्ति वंदन अधिनियम 21वीं सदी का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय, प्रधानमंत्री के दृढ़इच्छाशक्ति और साहसिक निर्णय से पूरा होगा महिलाओं का सपना : मुख्यमंत्री

रायपुर।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर स्थित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित नारी शक्ति वंदन महासम्मेलन में शामिल हुए और कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने इस दौरान महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर केंद्र और राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 का पारित होना देश की महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए एक ऐतिहासिक कदम है, जिससे निर्णय प्रक्रिया में उनकी प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित होगी।

मुख्यमंत्री ने मातृशक्ति का अभिनंदन करते हुए कहा कि भारतीय सनातन परंपरा में नारी का स्थान सर्वोच्च है। हम भगवान से पहले भगवती की पूजा करते हैं और ऐश्वर्य के लिए माता लक्ष्मी, बुद्धि के लिए सरस्वती और बल के लिए दुर्गा की आराधना की जाती हैं। श्री साय ने कहा कि महिलाओं को आरक्षण देने के प्रयास पहले भी हुए, लेकिन इसे प्रभावी रूप से लागू करने का साहसिक निर्णय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ही संभव हो पाया। उन्होंने प्रधानमंत्री के कार्यकाल में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों का उल्लेख करते हुए कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना और महतारी वंदन योजना जैसी पहलों ने महिलाओं के सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त किया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हम इस वर्ष को प्रदेश में 'महतारी गौरव वर्ष' के रूप में मना रहे हैं और महतारी वंदन योजना के माध्यम से 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता दी जा रही है, जिससे वे शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर क्षेत्र में नक्सलवाद समाप्त हुआ है और प्रदेश विकास के नए मार्ग पर अग्रसर है। उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को 21वीं सदी के सबसे महत्वपूर्ण निर्णयों में से एक बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से महिलाओं की भागीदारी और सशक्तिकरण को नया संबल मिलेगा। कार्यक्रम में 'पंचायत से पार्लियामेंट तक निर्णय में नारी—नए भारत की तैयारी' के संकल्प को दोहराया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि पंचायती राज संस्थाओं में पहले से ही 14 लाख से अधिक महिलाएं सक्रिय भूमिका निभा रही हैं, जो उनके बढ़ते आत्मविश्वास का प्रमाण है। उन्होंने इस दौरान पुष्प के साथ महिलाओं का अभिनंदन कर बधाई और शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि महिलाओं की इच्छाशक्ति और संकल्प उन्हें बड़े निर्णय लेने में सक्षम बना रहे हैं। महिलाओं को जिम्मेदारी मिले तो वे देश की तस्वीर बदल सकती हैं। वहीं पूर्व राज्यसभा सांसद सरोज पाण्डेय ने बताया कि यह अधिनियम वर्ष 2029 तक लागू होगा, जिसके तहत लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। कार्यक्रम में सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, पद्मश्री ऊषा बारले, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती वर्णिका शर्मा, पद्मश्री ऊषा बारले, प्रसिद्ध हॉकी खिलाड़ी नीता डोंगरे सहित अनेक जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

पारदर्शी डिजिटल प्रक्रिया से शिक्षा के अधिकार को मिला नया विस्तार : मुख्यमंत्री

आरटीई के तहत 14,403 बच्चों को निजी स्कूलों में मिला प्रवेश, ऑनलाइन लॉटरी बनी सुशासन का उदाहरण

रायपुर।

छत्तीसगढ़ में समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सशक्त आधार देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी पहल करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के अंतर्गत निजी विद्यालयों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से 14,403 बच्चों का चयन सुनिश्चित किया। मंत्रालय महानदी भवन से वर्चुअल माध्यम से प्रारंभ हुई यह प्रक्रिया पारदर्शिता, समान अवसर और डिजिटल सुशासन की प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आई है।

राज्यभर से प्राप्त कुल 38,439 आवेदनों में से 27,203 आवेदन निर्धारित मानकों के अनुरूप पात्र पाए गए, जिनमें से ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से 14,403 बच्चों को निजी विद्यालयों में प्रवेश प्रदान किया गया। यह पूरी प्रक्रिया पूर्व निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार राज्य स्तर पर सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुई, जिसमें शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है और राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है कि किसी भी बच्चे की प्रगति आर्थिक अभाव के कारण बाधित न हो। हमारी प्राथमिकता है कि हर बच्चे को समान अवसर के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो। उल्लेखनीय है कि आरटीई प्रावधानों के तहत निजी विद्यालयों में 25 प्रतिशत सीटें आर्थिक रूप से कमजोर एवं वंचित वर्ग के बच्चों के लिए आरक्षित की गई हैं। इस योजना के माध्यम से राज्य सरकार समाज के अंतिम छोर पर खड़े बच्चों तक शिक्षा की रोशनी पहुंचाने का सतत प्रयास कर रही है। वर्तमान में इस योजना के अंतर्गत प्रदेश के 3 लाख 63 हजार से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए इस योजना के अंतर्गत शुल्क प्रतिपूर्ति राशि को बढ़ाकर 300 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जिससे अधिक से अधिक बच्चों को इस योजना का लाभ मिल सके और निजी विद्यालयों में उनके प्रवेश की प्रक्रिया और सुदृढ़ हो। पूरी प्रवेश प्रक्रिया को डिजिटल माध्यम से संचालित किया जा रहा है, जिसमें आवेदन से लेकर दस्तावेज सत्यापन और चयन तक के सभी चरण पूर्णतः पारदर्शी और तकनीक आधारित हैं। अभिभावक स्वयं या चॉइस सेंटर के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के दौरान ही सिस्टम द्वारा निवास क्षेत्र से 1.5 किलोमीटर के दायरे में स्थित निजी विद्यालयों की जानकारी एवं उपलब्ध सीटों का विवरण प्रदर्शित किया जाता है, जिससे अभिभावकों को सूचित एवं सहज चयन का अवसर प्राप्त होता है। पात्रता के अनुसार 5.5 से 6.5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को कक्षा पहली में प्रवेश दिया जाएगा, जबकि अनुसूचित जाति, जनजाति, दिव्यांग एवं अन्य कमजोर वर्गों को प्राथमिकता प्रदान की जाती है। जिन विद्यालयों में सीटें रिक्त रह जाती हैं, वहाँ जिला स्तर पर ऑफलाइन लॉटरी प्रक्रिया आयोजित की जाएगी, जिसकी जानकारी आरटीई पोर्टल पर उपलब्ध कराई जाएगी। यह पहल न केवल हजारों बच्चों के शिक्षा के सपनों को साकार कर रही है, बल्कि छत्तीसगढ़ में एक समावेशी, पारदर्शी और उत्तरदायी शिक्षा व्यवस्था को भी मजबूत आधार प्रदान कर रही है। राज्य सरकार का यह प्रयास शिक्षा के क्षेत्र में एक सशक्त और दूरदर्शी परिवर्तन का संकेत है।

समाज कल्याण की मजबूत ढाल: जशपुर में 82 हजार से अधिक हितग्राहियों तक पहुंच रही योजनाएं

पेंशन, दिव्यांगजन सहायता, पुनर्वास और सामाजिक सुरक्षा से बदल रही जरूरतमंदों की जिंदगी

रायपुर।

समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं जिले के हजारों जरूरतमंद लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। वृद्धजन, विधवा, दिव्यांगजन और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए संचालित इन योजनाओं से जिले में कुल 82 हजार 583 हितग्राही लाभान्वित हो रहे हैं, जो सामाजिक सुरक्षा के मजबूत तंत्र को दर्शाता है। समाज कल्याण विभाग की योजनाएं न केवल आर्थिक सहायता प्रदान कर रही हैं, बल्कि सामाजिक सम्मान, आत्मनिर्भरता और जीवन की गुणवत्ता को भी बेहतर बना रही हैं। उप संचालक समाज कल्याण विभाग ने बताया कि विभाग की ये योजनाएं जशपुर जिले में सामाजिक सुरक्षा का मजबूत आधार तैयार कर रही हैं। इससे समाज के हर वर्ग को सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर भी प्राप्त हो रहा है। यह पहल जिले में समावेशी विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

जशपुर जिले में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत 16,509 बुजुर्गों को नियमित सहायता मिल रही है। वहीं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना से 4,356 महिलाओं को लाभ मिल रहा है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना के तहत 656 दिव्यांगजन लाभान्वित हैं, जबकि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना से 14,294 और सुखद सहारा पेंशन योजना से 4,407 हितग्राहियों को सहायता मिल रही है। सबसे अधिक लाभार्थी मुख्यमंत्री पेंशन योजना के अंतर्गत हैं, जिसमें 40,244 लोग शामिल हैं। इसी प्रकार परिवार सहायता योजना के तहत 102 परिवारों को आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया है, जिससे संकट की घड़ी में उन्हें संबल मिला है। दिव्यांगजनों के लिए विभाग द्वारा कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। दिव्यांगजन छात्रवृत्ति योजना के तहत 180 विद्यार्थियों को सहायता दी गई है। दिव्यांगजन विवाह प्रोत्साहन योजना से 5 हितग्राहियों को लाभ मिला, जबकि कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण प्रदाय योजना के अंतर्गत 290 दिव्यांगजनों को उपकरण उपलब्ध कराए गए। इसके अलावा दिव्यांगजन सामर्थ्य विकास योजना से 550 हितग्राही लाभान्वित हुए हैं तथा 'क्षितिज अपार संभावनाएं' योजना के तहत 4 दिव्यांग विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहन दिया गया है।

जशपुर जिले में संचालित नशामुक्ति एवं पुनर्वास केन्द्र के माध्यम से अब तक 157 व्यक्तियों को नशामुक्त कर समाज की मुख्यधारा में जोड़ा गया है। वहीं जशपुर नगर स्थित जनक वृद्धाश्रम में 12 वरिष्ठ नागरिकों को सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवनयापन की सुविधा प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत 782 वरिष्ठ नागरिकों को धार्मिक स्थलों की यात्रा का अवसर मिला है, जिससे उनके जीवन में संतोष और आध्यात्मिक सुख की अनुभूति हुई है। इसी प्रकार मोटराइज्ड ट्राईसायकल प्रदाय योजना के माध्यम से दिव्यांगजनों को गतिशीलता प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार 2026 के आयोजन को लेकर कलेक्टरों को लिखी चिट्ठी

रायपुर।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से इस वर्ष भी सुशासन तिहार 2026 के आयोजन व्यापक पैमाने पर किया जाएगा। इस संबंध में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के सभी जिला कलेक्टरों को पत्र जारी कर इस अभियान सफल आयोजन को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में कहा है कि जन शिकायतों का समयबद्ध निराकरण सुशासन की आधारशिला है तथा आम नागरिकों को पारदर्शी, सरल एवं त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराना राज्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। गत वर्ष आयोजित सुशासन तिहार के सकारात्मक परिणामों को देखते हुए इस वर्ष इसे और अधिक व्यापक रूप में संचालित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि 30 अप्रैल 2026 तक जिले में लंबित प्रकरणों के निराकरण हेतु विशेष अभियान चलाया जाए। इसके अंतर्गत भूमि संबंधी प्रकरण जैसे नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, मनरेगा अंतर्गत लंबित मजदूरी भुगतान, हितग्राहीमूलक योजनाओं के लंबित भुगतान, आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र, बिजली एवं ट्रांसफार्मर संबंधी समस्याएं तथा हैंडपंप सुधार जैसे मुद्दों का प्राथमिकता से समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही पात्र हितग्राहियों को उज्ज्वला योजना, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसी योजनाओं का लाभ दिलाने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं।

सुशासन तिहार के अंतर्गत 01 मई से 10 जून 2026 तक प्रदेशभर में जन समस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में 15 से 20 ग्राम पंचायतों के समूह तथा शहरी क्षेत्रों में वार्ड क्लस्टर के आधार पर शिविर आयोजित होंगे। इन शिविरों में शासन की विभिन्न योजनाओं के संबंध में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा तथा पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही लाभ वितरण किया जाएगा। शिविरों में प्राप्त आवेदनों का अधिकतम एक माह के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक आवेदक को उसके आवेदन की स्थिति की जानकारी देने के निर्देश भी दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि अभियान के दौरान मंत्रीगण, सांसद एवं विधायकगण, मुख्य सचिव एवं प्रभारी सचिव समय-समय पर शिविरों में शामिल होकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे और आमजन से संवाद स्थापित करेंगे। अभियान के दौरान मुख्यमंत्री साय स्वयं विभिन्न जिलों में पहुंचकर विकास कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन का औचक निरीक्षण करेंगे तथा हितग्राहियों से फीडबैक लेंगे।

'सहकार से समृद्धि' के संकल्प को साकार करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम साबित होंगे नवगठित पैक्स : मुख्यमंत्री

रायपुर।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने नवा रायपुर स्थित मंत्रालय महानदी भवन से प्रदेश की नवगठित 515 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) का वर्चुअल शुभारंभ किया।
उन्होंने इसे प्रदेश के किसानों के लिए बड़ी सौगात बताते हुए कहा कि 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प को साकार करने की दिशा में यह कदम ऐतिहासिक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन नई समितियों के शुरू होने से अब पूरे प्रदेश में सहकारी समितियों की संख्या बढ़कर 2 हजार 573 हो गई है। उन्होंने प्रदेश के अन्नदाता किसानों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार खेती-किसानी में आधुनिक तकनीक और सहकारिता के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा दे रही है, ताकि गांव और किसान समृद्ध बन सकें। उन्होंने बताया कि अब पैक्स समितियां बहुउद्देश्यीय सोसायटी के रूप में कार्य करेंगी, जिससे किसानों को खाद, बीज और अल्पकालीन ऋण जैसी सुविधाएं उनके गांव के पास ही उपलब्ध होंगी। साथ ही धान बेचने की प्रक्रिया भी आसान होगी और किसान अपनी नजदीकी समिति में ही धान बेच सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पहले से कार्यरत 2058 समितियों को बेहतर सेवाएं देने के लिए कंप्यूटरीकृत किया गया है और इनमें माइक्रो एटीएम भी लगाए गए हैं, जिनसे किसान 20 हजार रुपये तक की राशि निकाल सकते हैं।

उन्होंने यह भी जानकारी दी कि नवगठित 515 समितियों में से 197 समितियां आदिवासी क्षेत्रों में स्थापित की गई हैं, जिससे दूर-दराज के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि ये समितियां केवल खाद-बीज वितरण तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि भविष्य में दुग्ध उत्पादन, मछली पालन जैसे सहायक कृषि गतिविधियों से भी जुड़ेंगी। साथ ही समितियों में लोक सेवा केंद्र भी शुरू किए जाएंगे, जहां एक ही स्थान पर 25 से अधिक सरकारी सेवाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने किसानों से अपील की कि वे इन समितियों के सदस्य बनकर इसका अधिकतम लाभ उठाएं और इनके संचालन में सक्रिय भागीदारी निभाएं। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप वर्चुअल उपस्थित रहे, साथ ही कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन, शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव, पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, रोजगार एवं कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, अपेक्स बैंक के प्राधिकृत अधिकारी श्री केदारनाथ गुप्ता, मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत तथा सचिव सहकारिता श्री सी.आर. प्रसन्ना, सहकारिता विभाग के प्रबंध संचालक श्री के.एन. कांडे सहित विभिन्न जिलों से लगभग 2500 जनप्रतिनिधिगण, किसान और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ताजा खबर

संक्षिप्त

होटल लेक व्यू को निजी हाथों में सौंपने की तैयारी पर सवाल

बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम (एचपीटीडीसी) के विभिन्न जिलों में संचालित होटलों को निजी हाथों में सौंपने की तैयारी चल रही है। इसमें बिलासपुर शहर में स्थित होटल लेक व्यू कैफे भी शुमार है। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि इस वित्त वर्ष 1.60 करोड़ रुपए का कारोबार दर्ज होने के बावजूद इसे निजी हाथों में सौंपा जा रहा है। पिछले वित्त वर्ष की तुलना में इस बार होटल का कारोबार 37 लाख 79644 रुपए बढ़ा है और 19 लाख एक हजार रुपए का नेट प्रोफिट दर्ज किया गया है। अब सवाल यह उठता है कि नेट प्रोफिट में होने पर भी इसे निजी हाथों में देने का क्या औचित्य प्रदेश में एचपीटीडीसी के जिन आठ होटलों को निजी हाथों में देने की तैयारी है। उनमें बिलासपुर शहर में स्थित होटल लेक व्यू भी शामिल है, जो बीते कुछ समय तक कारोबार में गिरावट के बाद भी मैनेजर तुलसीराम ठाकुर की दिन रात की कड़ी मेहनत और नई-नई प्लानिंग क्रियान्वित करने के चलते अब नेट प्रॉफिट में पहुंच गया है। पिछले दिनों सदर विधायक त्रिलोक जम्वाल ने भी इस फैसले पर नाराजगी जाहिर की है और निगम प्रबंधन से इस फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। यदि निजी हाथों में सौंपना ही है तो स्वारघाट स्थित हिल टॉप होटल को सौंपा जा सकता है क्योंकि फोरलेन से कट होने के बाद इस होटल के कारोबार में भारी कमी आई है। सूचना के तहत इस बार होटल लेक व्यू बिलासपुर का कारोबार 1.60 करोड़ रुपए दर्ज किया गया है जबकि पिछले साल की तुलना में कारोबार में 37 लाख 79694 रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

7 वर्षीय मासूम का शव कुएं से बरामद, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

कोडरमा। झारखंड के कोडरमा जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत घरबरियावर गांव में एक सात साल के मासूम की निर्मम हत्या का मामला सामने आया है। अज्ञात अपराधियों ने घर में सो रहे बच्चे का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी और शव को पास के ही एक कुएं में फेंक दिया। इस हृदयविदारक घटना के बाद से पूरे इलाके में भारी आक्रोश और तनाव का माहौल है। मृतक की पहचान पवन यादव के पुत्र आर्यन कुमार के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, आर्यन मंगलवार की रात अपनी मां और बहन के साथ घर के भीतर सोया था। देर रात किसी अज्ञात व्यक्ति ने बड़ी चालाकी से घर में प्रवेश किया और सोते हुए मासूम का अपहरण कर लिया। बुधवार सुबह जब परिजनों की नींद खुली, तो आर्यन को बिस्तर से गायब पाकर उनके होश उड़ गए। काफी खोजबीन के बाद घर से करीब 100 मीटर की दूरी पर स्थित एक कुएं में बच्चे का शव तैरता हुआ मिला। घटना की सूचना मिलते ही गांव में भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकाला गया। मासूम आर्यन का शव देखते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। सूचना पाकर डोमचांच थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है।

लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक सदस्य आमिर हमजा को लाहौर में मारी गई गोली

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के लाहौर से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक सदस्य आमिर हमजा को गोली मार दी गई है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमजा को एक न्यूज चैनल के दफ्तर के बाहर गोली मारी गई है। वह अस्पताल में भर्ती हैं। उनकी हालत गंभीर है। उनको गोली किसने मारी, इसको लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। हमजा भारत में हुए कई आतंकवादी गतिविधियों से जुड़ा हुआ है। हमजा ने आतंकवादी हाफिज सईद के साथ मिलकर लश्कर-ए-तैयबा की सह-स्थापना की है।

180 नाबालिगों के शोषण का आरोपी गिरफ्तार, जांच में जुटी साइबर सेल...घर पर चला बुलडोजर

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती जिले से एक बेहद गंभीर और चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। पुलिस ने एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिस पर 180 नाबालिग लड़?कियों के यौन शोषण और 350 से ज्यादा आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड करने का आरोप है।

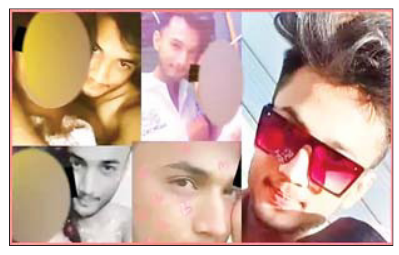

आरोपी की पहचान मोहम्मद अयाज उर्फ तनवीर के रूप में हुई है, जो परतवाड़ा शहर का रहने वाला बताया जा रहा है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए नाबालिग लड़कियों को अपने जाल में फंसाता था। वह पहले उनसे दोस्ती करता और फिर धीरे-धीरे उन्हें लव ट्रैप में डालकर अपने साथ मुंबई और पुणे जैसे बड़े शहरों में ले जाता था।

पुलिस के मुताबिक, इन शहरों में ले जाकर वह कथित तौर पर लड़कियों का शोषण करता और उनके आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड करता था। जांच में यह भी पता चला है कि इन वीडियो का इस्तेमाल बाद में पीड़ितों को ब्लैकमेल करने के लिए किया जाता था और उन्हें जबरन गलत कामों में धकेला जाता था। कुछ वीडियो के ऑनलाइन प्रसारित होने की भी आशंका जताई जा रही है, जिसकी जांच साइबर सेल कर रही है। इस पूरे मामले को लेकर भाजपा के राज्यसभा सांसद अनिल बोंडे ने ग्रामीण पुलिस अधीक्षक विशाल आनंद को एक ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे पुलिस अधीक्षक कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन करेंगे।इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और उसे 7 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने उसका मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया है, जिसमें कई आपत्तिजनक वीडियो मिलने की बात सामने आई है। अब साइबर सेल डिजिटल सबूतों की गहराई से जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वीडियो किस तरह और किन लोगों तक पहुंचे।

बक्से में मिली महिला की लाश, हाईवे किनारे बड़ी संख्या में लोग जमा हुए, हाथ पर टैटू दिखा

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में उस समय हड़कंप मच गया जब हाईवे किनारे झाड़ियों में एक बंद बक्सा मिला, जिसमें एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ. इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए. घटना कोखराज थाना क्षेत्र के कल्यानपुर हाईवे की है, जहां स्थानीय लोगों ने झाड़ियों में संदिग्ध हालत में एक बक्सा देखा. लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी. सूचना मिलते ही कोखराज पुलिस मौके पर पहुंची और बक्से की जांच शुरू की.

पुलिस ने जब बक्सा खोला तो उसके अंदर एक महिला का शव मिला, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई. इसके बाद एएसपी राजेश सिंह और फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और पूरे इलाके का निरीक्षण किया. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और महिला की पहचान करने की कोशिश की जा रही है. प्रारंभिक जांच में मामला हत्या का माना जा रहा है. पुलिस आसपास के इलाकों में पूछताछ कर रही है और हर एंगल से जांच कर रही है.

एडिशनल एसपी राजेश कुमार सिंह ने बताया कि शाम करीब 7:32 बजे सूचना मिली थी कि हाईवे पर कार सवार दो लोग एक बक्सा फेंक कर चले गए हैं. सूचना मिलते ही पीआरवी, थाना पुलिस, एसएचओ और सीओ मौके पर पहुंचे. उन्होंने बताया कि बक्सा खोलने पर उसमें महिला का शव पाया गया. अभी शव को पूरी तरह बाहर नहीं निकाला गया था क्योंकि फॉरेंसिक टीम के पहुंचने का इंतजार किया जा रहा था. टीम के आने के बाद ही शव को विधिवत तरीके से बाहर निकालकर जांच की जाएगी.

एएसपी ने यह भी बताया कि शव पर किसी प्रकार के चोट के निशान हैं या नहीं, इसकी पुष्टि फॉरेंसिक जांच के बाद ही हो सकेगी. पुलिस ने घटना में इस्तेमाल की गई गाड़ी का पता लगाने के लिए टीमें गठित कर दी हैं. पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस पूरे मामले का खुलासा कर दिया जाएगा और आरोपियों की पहचान कर ली जाएगी.

दोस्त की पत्नी से आशिकी का खौफनाक अंत, जहरीली शराब पिलाई और फिर जलाया

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के बरियारपुर थाना क्षेत्र में हुई युवक की हत्या का पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है. इस सनसनीखेज वारदात में मृतक के दोस्तों का ही हाथ निकला है, जिन्होंने प्रेम संबंध के विवाद में युवक की हत्या कर शव को जला दिया.

घटना बेरुआ डीह गांव की है, जहां 32 साल के बिगन राम का आधा जला शव संदिग्ध हालत में बरामद हुआ था. सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस और स्नरूटीम ने जांच शुरू की. मृतक की पत्नी के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गई, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बरियारपुर के राम प्रवेश पासवान उर्फ पूरण और मनियारी थाना क्षेत्र के शाहपुर मरीच गांव निवासी गोरख पासवान उर्फ जितेंद्र के रूप में हुई है. पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है. पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि मृतक बिगन राम का आरोपी राम प्रवेश पासवान की पत्नी से प्रेम संबंध था. इस बात को लेकर पहले भी विवाद हो चुका था और मामला पंचायत तक पहुंचा था, लेकिन संबंध जारी रहा.

पहले पति को खोया, अब एक साथ छिन गए तीन कलेजे के टुकड़े, मां का रो-रोकर बुरा हाल

ठाणे। महाराष्ट्र में ठाणे के तीन भाई-बहन छुट्टी मनाने घर से निकले थे और मां से जल्द लौटने का वादा करके गए थे. लेकिन एक भीषण सड़क हादसे ने उनकी जिंदगी छीन ली और पूरे परिवार को उजाड़ दिया. दिल दहलाने वाला एक सच ये भी है कि इन मासूमों की मां ने सात साल पहले अपने पति को भी खो दिया था और अब बच्चे भी छिन गए.

%मां, हम बस दो-तीन दिन में वापस आ जाएंगे,% मामा के यहां छुट्टी मनाने जा रहे बच्चों के यही आखिरी शब्द थे. लेकिन कुछ घंटों बाद, सोमवार की सुबह एक भयानक सड़क दुर्घटना में उनकी मृत्यु की खबर ने उनकी मां को झकझोर कर रख दिया.

22 साल की स्नेहा मोहापे, 20 साल की मानसी और उनका 17 साल के भाई प्रथमेश उन 11 लोगों में शामिल थे जिनकी वैन हादसे का शिकार हो गई. कल्याण तालुका के रायते गांव के पास उल्हास नदी पर बने नवनिर्मित पुल पर यात्रियों से भरी वैन और एक सीमेंट मिक्सर ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में सभी 11 लोगों की मौत हो गई थी जिसमें 3 भाई बहन भी थे. इस त्रासदी ने बच्चों की मां अंजना मोहापे के पूरे सहारे को तहस-नहस कर दिया है. सात साल पहले अपने पति की मृत्यु के बाद से उन्होंने अपने बच्चों को बड़ी मुश्किलों से पाला था. घरेलू सहायिका के रूप में काम करने वाली अंजना ने अपने बच्चों को इस उम्मीद में खूब पढ़ाया कि वे जल्द ही अपने पैरों पर खड़े हो जाएंगे और परिवार को आर्थिक तंगी से बाहर निकालेंगे. परिवार के एक सदस्य नत्थू मोहापे ने बताया कि, वह इन्हीं के लिए जीती थी. पति को खोने के बाद, ये तीनों ही उसके जीने का एकमात्र सहारा थे.

परिवार के एक अन्य सदस्य ने कहा, ये तीनों होनहार बच्चे थे और अपनी मां के लिए कुछ करने का सपना देखते थे. अब सब कुछ पल भर में खत्म हो गया.% भाई-बहन कॉलेज की छुट्टियां बिताने के लिए जिले के मुरबाद तालुका के पनहे गांव में अपने मामा के घर जा रहे थे. परिवार के सूत्रों के अनुसार, तीनों भाई-बहनों का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव में किया जाएगा.

दुर्घटना इतनी भीषण थी कि वैन चकनाचूर हो गई. स्थानीय निवासी बचाव अभियान शुरू करने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन तब तक लगभग सभी यात्रियों की जान जा चुकी थी. इस दुर्घटना ने कल्याण-अहिल्यानगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी वाहनों को लेकर स्थानीय लोगों में नए सिरे से आक्रोश पैदा कर दिया है. निवासियों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में लगे ट्रक, मिक्सर और डंपर ट्रक अक्सर राजमार्ग पर गति सीमा और सुरक्षा मानदंडों का उल्लंघन करते हैं.

खूबसूरत महिला को फांसी की हुई सजा, वजह प्रदर्शन में थी शामिल

ईरान। न्यायपालिका बीता हेम्मती को फांसी देने की तैयारी कर रही है. इस साल जनवरी में देशभर में फैले सरकार विरोधी प्रदर्शनों में कथित भूमिका के लिए हेम्मती मौत की सजा पाने वाली पहली महिला प्रदर्शनकारी बन सकती हैं. इस मामले में उनके पति मोहम्मदरेजा मजीद अस्ल (34) और दो अन्य लोगों- बेहरोज और कुरोश जमानिनेजाद को भी मौत की सजा सुनाई गई है.

नेशनल काउंसिल आफ रेजिस्टेंस ऑफ ईरान के बयान के मुताबिक, न्यायपालिका ने इन चारों पर विस्फोटक और हथियारों के इस्तेमाल, सुरक्षाबलों पर हमला करने और छतों से बोतल, पत्थर व ज्वलनशील पदार्थ फेंकने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं. इसके अलावा, उन पर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने और नारेबाजी करने के भी आरोप हैं. अधिकारियों ने इन घटनाओं को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है. इन प्रदर्शनकारियों पर दुश्मन देशों के साथ संबंध रखने का आरोप लगाया गया है. बीता हेम्मती के एक अन्य रिश्तेदार अमीर हेम्मती को भी राष्ट्रीय सुरक्षा के खिलाफ साजिश और सरकार विरोधी प्रोपेगेंडा के आरोप में करीब छह साल की जेल की सजा सुनाई गई है. इन सभी को राजधानी तेहरान से गिरफ्तार किया गया था, जो उस समय प्रदर्शनों का केंद्र बना हुआ था. ईरान में सरकारी विरोधी प्रदर्शन दिसंबर 2025 के अंत में तेहरान में दुकानदारों और व्यापारियों की हड़ताल से शुरू हुए थे, जो जल्द ही पूरे देश में फैल गए. कुछ ही दिनों में छात्रों समेत समाज के कई वर्ग सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर गए. ईरान की इस्लामिक सरकार ने इन प्रदर्शनों के खिलाफ सख्ती दिखाई. सुरक्षा बलों की कार्रवाई में हजारों लोग मारे गए या घायल हुए, जबकि 10 हजार से अधिक प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया.

हाईकोर्ट ने लापता युवती के केस में DGP और SIT को तलब

रांची। झारखंड के बोकारो जिले की 18 वर्षीय युवती के 9 महीने से लापता होने के मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने इस मामले में जांच की सुस्त रफ्तार और बरामद कंकाल की डीएनए जांच अब तक न कराए जाने पर राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन को कड़ी फटकार लगाई है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए हाईकोर्ट ने राज्य के डीजीपी, एफएसएल निदेशक, बोकारो एसपी और पूरी एसआईटी टीम को गुरुवार सुबह 10:30 बजे अदालत में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आदेश दिया है। लापता युवती की मां की ओर से दायर हेबियस कॉर्पस (बंदी प्रत्यक्षीकरण) याचिका पर सुनवाई के दौरान प्रार्थी पक्ष के वकील विंसेट रोहित मार्की ने पुलिस के दावों पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने अदालत को बताया कि पुलिस एक अभियुक्त की निशानदेही पर एक कंकाल बरामद किया है और दावा किया है कि कंकाल लापता युवती का है। उन्होंने दलील दी कि कंकाल की स्थिति देखकर वह 2 से 3 साल पुराना प्रतीत होता है, जबकि युवती करीब 9 महीने से लापता है। प्रार्थी पक्ष ने यह भी कहा कि जिस सार्वजनिक स्थान से कंकाल मिला है, वह किसी और का भी हो सकता है। सुनवाई के दौरान अदालत तब नाराज हो गई जब यह जानकारी सामने आई कि बरामद कंकाल की अब तक डीएनए जांच नहीं कराई गई है और न ही मृतका की मां के सैंपल लिए गए हैं। कोर्ट ने इसे जांच में बड़ी लापरवाही करार दिया। उल्लेखनीय है कि यह मामला अगस्त 2025 में दर्ज अपहरण की शिकायत से जुड़ा है।

बिस्तर पर पड़ी मां को बेटे ने चौथी मंजिल से फेंका

बेंगलुरु। एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति को बिस्तर पर पड़ी मां को चौथी मंजिल से फेंककर हत्या करने के आरोप में बुधवार को राजराजेश्वरिनगर थाना क्षेत्र में गिरफ्तार किया गया। आरोपी की पहचान 42 वर्षीय वेंकटेश सी. उर्फ दशरथ के रूप में हुई है, जो आरआर नगर के बीईएमएल लेआउट के थर्ड स्टेज का निवासी है। मृतका की पहचान 75 वर्षीय सावित्रीम्मा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि वह अपनी मां की देखभाल करने में असमर्थ था। बताया जा रहा है कि उसने अपनी मां को गोद में उठाकर चौथी मंजिल तक ले गया और वहां से नीचे फेंक दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

आरोपी उसी इमारत में किराए के मकान में रहता था। इस मामले में मकान मालिक विक्रम ने शिकायत दर्ज कराई है और घटना को लेकर बयान भी दिया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) (हत्या) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। घटना से जुड़ी अन्य जानकारी का इंतजार है। बता दें कि 31 जनवरी को कर्नाटक के विजयनगर जिले से एक ट्रिपल मर्डर का भी मामला सामने आया था, जहां एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपने पिता, मां और बहन की हत्या कर दी थी और बाद में बेंगलुरु में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की थी।

आरोपी अक्षय कुमार ने कथित तौर पर अपने पिता भीमाराज, मां जयलक्ष्मी और बहन अमृता की जिले के कोत्तूर कस्बे स्थित किराए के घर में हत्या कर दी थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि यह घटना 27 जनवरी को हुई थी। वारदात के बाद अक्षय कुमार बेंगलुरु गया और पुलिस स्टेशन में अपने परिवार के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई।

दुल्हन पर तेजाब फेंका, युवती को पुलिस ने लिया हिरासत में

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के गोकुलपुरी इलाके में शादी से ठीक पहले एक सनसनीखेज वारदात सामने आई. यहां पड़ोस में रहने वाली एक युवती ने मेहंदी के बहाने घर पहुंचकर दुल्हन बनने वाली लड़की के चेहरे पर तेजाब फेंक दिया. जिस लड़के से पीड़िता की 19 अप्रैल को शादी होने वाली थी, उसी को आरोपी युवती भी पसंद करती थी. इसी से नाराज होकर उसने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया.

परिजनों के अनुसार, 19 अप्रैल को पीड़िता की बारात आने वाली थी. घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं. इसी बीच पड़ोस में रहने वाली एक युवती, जो पहले से ही घर में आना-जाना रखती थी, मेहंदी लगाने के बहाने उनके घर पहुंची. परिवार को उस पर कोई शक नहीं था, लेकिन उसने अचानक पीड़िता के चेहरे पर तेजाब फेंक दिया और वहां से फरार हो गई. हमले में पीड़िता गंभीर रूप से झुलस गई. घटना के तुरंत बाद उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है. इस घटना के बाद घर में चीख-पुकार मच गई. जिस घर में कुछ दिनों बाद शादी की खुशियां मनाई जानी थीं, वहां माहौल गमगीन हो गया.

जिस युवक से पीड़िता की शादी तय हुई थी, उसे आरोपी युवती भी पसंद करती थी. इसी बात को लेकर वह नाराज थी और इसी के चलते उसने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया. पीड़िता के परिजनों का कहना है कि वो मेरे पड़ोस में रहती है. पहले भी घर आती जाती थी. उसकी बहन भी आती थी. वो मेहंदी के बहाने घर आई और तेजाब भी फेंककर गई. पता नहीं था वो ऐसा कर देगी. 19 को बारात आनी थी. पीड़िता की हालत ठीक नहीं है, वो पढ़ने में अच्छी है. जिसने तेजाब डाला है, वो भी पढ़ने में अच्छी है. अभी नौकरी के लिए उसने पेपर दिया है. उसे पुलिस पकड़कर ले गई है. हम इंसाफ चाहते हैं. उसे कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए.

घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी युवती को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच जारी है. परिजन आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं. उनका कहना है कि हम इंसाफ चाहते हैं, उसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए. फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई की जा रही है.

फूड पॉइजनिंग से छात्रा की मौत के बाद जांच के आदेश, सीएम ने मुआवजे का किया ऐलान

भुवनेश्वर। ओडिशा के मयूरभंज जिले के एक सरकारी आदिवासी स्कूल में कथित तौर पर फूड पॉइज़निंग के कारण 5वीं कक्षा के एक छात्र की मौत के बाद तनाव फैल गया। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मृतक के परिवार के लिए 3 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की है और राजस्व संभागीय आयुक्त, केंद्रीय संभाग द्वारा जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा मंगलवार देर रात जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मयूरभंज जिले की रसगोविंदपुर तहसील के एक स्कूल की छात्रा रूपाली बेसरा के निधन की सूचना मिलने पर मुख्यमंत्री ने गहरा शोक व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री मांझी ने मृतक छात्र के परिवार के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) से तीन लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा भी की। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने घटना की आरडीसी स्तर की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने राजस्व मंडल आयुक्त (केंद्रीय मंडल) को निर्देश दिया है कि वे छात्रों के बीमार पड़ने की परिस्थितियों और रूपाली की मृत्यु के कारणों की विस्तृत जांच करें।

पिता की डांट के बाद साइकिल से निकला लड़का, 100 km दूर मिला

आंध्र प्रदेश। एक किशोर के घर से साइकिल लेकर निकल जाने और करीब 100 किलोमीटर दूर मिलने का मामला सामने आया है। घटना के बाद परिवार में हड़कंप मच गया था, लेकिन पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से लड़के को सुरक्षित ढूंढ लिया गया।

जानकारी के अनुसार, लड़के को किसी बात पर उसके पिता ने डांट दिया था। इससे नाराज होकर वह घर से साइकिल लेकर निकल गया। शुरू में परिवार को लगा कि वह आसपास ही होगा, लेकिन काफी देर तक वापस न लौटने पर चिंता बढ़ गई। इसके बाद परिजनों ने उसे ढूंढना शुरू किया और जब कोई जानकारी नहीं मिली तो पुलिस में सूचना दी गई।

पुलिस ने मामला दर्ज कर तुरंत तलाश शुरू की। आसपास के इलाकों में पूछताछ की गई और सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। जांच के दौरान यह पता चला कि लड़का साइकिल से लगातार आगे बढ़ता गया और अपने घर से काफी दूर निकल गया। करीब 100 किलोमीटर दूर एक इलाके में स्थानीय लोगों ने एक अकेले लड़के को साइकिल के साथ देखा। उसकी स्थिति संदिग्ध लगने पर उन्होंने उससे पूछताछ की। बातचीत में पता चला कि वह अपने घर से काफी दूर आ चुका है। इसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लड़के को अपने साथ लिया। पहचान की पुष्टि के बाद उसके परिवार को सूचना दी गई। कुछ समय बाद परिजन मौके पर पहुंचे और लड़के को सुरक्षित अपने साथ ले गए। पुलिस के अनुसार, लड़का शारीरिक रूप से सुरक्षित है, हालांकि वह थका हुआ था। उसे प्राथमिक जांच के बाद परिवार के हवाले कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि समय रहते जानकारी मिलने और स्थानीय लोगों की सतर्कता के कारण बच्चे को सुरक्षित ढूंढा जा सका। इस घटना के बाद पुलिस ने अभिभावकों से अपील की है कि बच्चों के साथ संवाद बनाए रखें और किसी भी विवाद की स्थिति में संयम बरतें। साथ ही बच्चों को भी समझाया जाए कि इस तरह घर छोड़कर जाना खतरनाक हो सकता है।

ललित मोदी ने भारत-पाकिस्तान क्रिकेट संबंध बिगड़ने के लिए पीसीबी को बताया जिम्मेदार, द्विपक्षीय श्रृंखला होने के आसार नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग के पूर्व अध्यक्ष ललित मोदी ने भारत और पाकिस्तान के बीच जल्द ही द्विपक्षीय क्रिकेट फिर से शुरू होने की उम्मीद पर गंभीर शक जताया है। उन्होंने राजनीतिक दखल को मुख्य रुकावट बताया है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के यूट्यूब शो 'द ओवरलैप क्रिकेट' में मोदी ने कहा कि दोनों बोर्ड के बीच खराब रिश्ते किसी भी सीरीज की संभावना में रुकावट डाल रहे हैं। इसके कारण न्यूट्रल वेन्यू पर भी मैच नहीं हो रहे। ललित मोदी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड में बढ़ते राजनीतिक दखल को एक बड़ी चिंता बताया। उन्होंने कहा कि अगर बाहरी दबावों से मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं हुआ होता तो संबंध सुधारने तेजी आ सकती थी। मोदी ने कहा कि न्यूट्रल वेन्यू पर भी मैच नहीं हो सकता। दिक्कत पीसीबी के अंदर फैसले लेने की प्रक्रिया से जुड़ा है। ललित मोदी ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि स्थिति इतनी जल्दी सुधरेगी।

ललित मोदी ने भारत-पाकिस्तान द्विपक्षीय क्रिकेट पर कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यह जल्द ही मुमकिन हो पाएगा। खासकर पाकिस्तान में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के राजनीतिकरण की वजह से।' उन्होंने कहा कि फैसले क्रिकेट सुमदाय स्वतंत्र रूप से नहीं लेता। इसके कारण दोनों टीमों का एक दूसरे के खिलाफ खेलना अभी संभव नहीं है।

उन्होंने खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई। ललित मोदी ने कहा, 'मैं ही पाकिस्तानी खिलाड़ियों को आईपीएल में लाया था और फिर बॉम्बे में 26/11 के हमले के बाद मुझे उन्हें हटाना पड़ा। दिक्कत यह है कि अगर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड स्वतंत्र होता और स्वतंत्र रूप से चलता, उस पर राजनीतिक असर नहीं होता तो हमें कुछ मौका मिलता, लेकिन आज पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को ताकतवर लोगों ने राजनीतिक बना दिया है। हमारे यहां बहुत ऊंचे स्तर पर राजनीतिक तनाव है और वह खत्म नहीं हो रहा है। यह और भी खराब होने वाला है। इसलिए मुझे खिलाड़ियों के लिए डर है।' चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज खलील अहमद ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 14 अप्रैल को खेले गए मैच के दौरान अपने दाहिने कूल्हे में दर्द की शिकायत की थी।

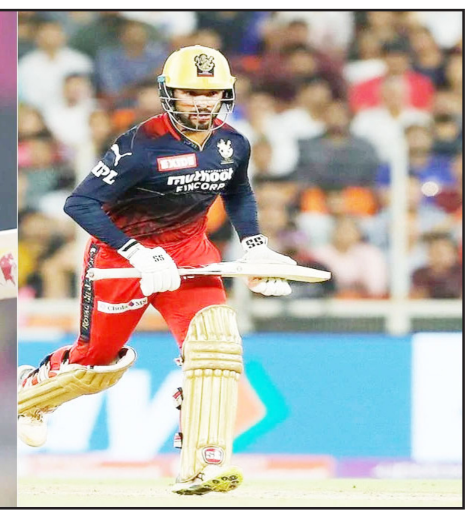

वैभव को रजत ने पछाड़ा, इशान से आगे अभिषेक

आईपीएल 2026 के 23 मैचों के बाद सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले टॉप-5 बैटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के 23 मैचों का समापन हो चुका है और इन मैचों के बाद इस सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले टॉप-5 बल्लेबाजों की बात की जाए तो अब आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने राजस्थान रॉयल्स के युवा बैटर वैभव सूर्यवंशी को दूसरे नंबर पर धकेल दिया। रजत ने ये कमाल इस सीजन के 23वें मुकाबले में लखनऊ के खिलाफ 3 छक्के लगाने के बाद किया।

रजत पाटीदार ने लखनऊ के खिलाफ 13 गेंदों पर 27 रन बनाए और इसमें 3 छक्के और एक चौके लगाते हुए अपनी टीम की जीत में बड़ी भूमिका भी निभाई। रजत ने इस सीजन में अब तक खेले 5 मैचों में कुल 21 छक्के जड़े हैं और पिछले 23 मैच के बाद सबसे ज्यादा सिक्स जड़ने वाले टॉप 5 बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर काबिज हो चुके हैं। उन्होंने वैभव को दूसरे नंबर पर धकेल दिया जिन्होंने 5 मैचों में 18 रन की पारी खेली थी। वैभव अपने आखिरी मैच में हैदराबाद के खिलाफ डक पर आउट हो गए थे।

अभिषेक आगे, इशान पीछे

सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर टिम डेविड और अभिषेक शर्मा एक साथ संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर हैं। इन दोनों ने अब तक 5-5 मैच खेल हैं जिनमें दोनों के नाम पर 13-13 छक्के दर्ज हैं। इस सूची में इशान किशन 5 मैचों में 12 छक्के लगाकर चौथे नंबर पर हैं जबकि रयान रिकेल्टन भी 4 मैचों में 12 छक्के जड़ते हुए उनके साथ चौथे स्थान पर ही हैं। आयुष म्हात्रे, रदरफोर्ड और समीर रिजवी 11-11 छक्कों के साथ संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर हैं।

भाई की छाया से बाहर निकलीं वैशाली, विमेंस कैंडिडेट्स जीत रचा इतिहास

सायप्रस (एजेंसी)। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट का खिताब जीतकर वैशाली रमेशबाबू ने इतिहास रच दिया। वैशाली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शतरंज का दूसरा सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीता और अपने भाई प्रज्ञानंद की छाये से बाहर निकलीं। अब उनका महिला वर्ल्ड चैंपियनशिप के ताज के लिए जू वेनजुन के साथ मुकाबला होगा। शतरंज के इतिहास में सिर्फ दूसरी बार कोई भारतीय खिलाड़ी महिला वर्ल्ड चैंपियनशिप का खिताबी मुकाबला खेलेगी। वैशाली से पहले कोनेरू हम्पी के ने 15 साल पहले 2011 में अल्बानिया के तिराना में होउ यिफान से भिड़ी थीं।

वैशाली के भाई प्रज्ञानंद ने टूर्नामेंट का अंत सातवें स्थान पर किया। उन्होंने 14 में से सिर्फ एक मैच जीता, जो टूर्नामेंट का उनका पहला राउंड गेम था। यह दूसरा मौका था जब प्रज्ञानंद और वैशाली दोनों कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में हिस्सा रहे। 14 राउंड के इवेंट में पांच राउंड के बाद वैशाली दिव्या देशमुख और टैन झोंगयी के साथ आखिरी स्थान पर थीं। वैशाली का टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दिव्या और टैन दोनों इवेंट में सबसे नीचे रहीं, लेकन वैशाली तालिका में शीर्ष पर पहुंच गईं। वैशाली की शानदार वापसी हैरानी की बात नहीं है। दो साल पहले टोरंटो में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में वह लगातार चार गेम हार गई थीं और नौ राउंड के बाद तालिका में सबसे नीचे थी। फिर उन्होंने लगातार आखिरी पांच गेम जीतकर वापसी की। कई ग्रैंडमास्टर्स ने प्रज्ञानंद को ओपन कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने का प्रबल दावेदार बताया था। वैशाली महिलाओं के इवेंट में टूर्नामेंट से पहले दावेदार नहीं थीं।

पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने चेस डॉट कॉम के लिए इवेंट से पहले हुए वैशाली को तीन 'डार्क हॉर्स' में से एक बताया था। वैशाली ने पिछले तीन सालों में तीसरा बड़ा टूर्नामेंट जीता है है। 24 साल की वैशाली ने मुश्किल एफआईडीई ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट दो बार जीता है। इसके अलावा वह 2024 में महिला ओलंपियाड जीत का भी हिस्सा रही हैं, लेकिन दूसरे इवेंट्स से इतर वैशाली ने यह इवेंट आखिरी दिन जीता। वैशाली राउंड 8 से ही तालिका में शीर्ष पर थीं। चार और खिलाड़ी भी शीर्ष पर थीं। एक राउंड बाद टॉप पर मौजूद खिलाड़ियों की संख्या घटकर दो खिलाड़ी रह गई। वैशाली और झू शीर्ष पर थीं। राउंड 10 के बाद वैशाली टूर्नामेंट में अकेली शीर्ष पर थीं, लेकिन राउंड 12 में वह झू से हार गईं और फिर से शीर्ष स्थान पर दोनों काबिज हो गईं।

भारत में 14 साल बाद फॉर्मूला 1 की वापसी

भारत में 14 साल बाद फॉर्मूला 1 रेस की वापसी संभव दिख रही है। साल 2027 में नोएडा के बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर रेस कराने की तैयारी है, जिसमें सरकार और तीन विदेशी कंपनियां शामिल हैं।

कप्तान रहाणे ने केकेआर की लगातार हार का जिम्मेदार इन खिलाड़ियों को ठहराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स का इस सीजन खराब प्रदर्शन जारी है. अब इस टीम को पांच मैच में से चार में हार का सामना करना पड़ा है, जबकि एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था, जिसकी वजह से उनको एक अंक मिल गया.

इस सीजन 14 अप्रैल को एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए अपने पांचवें मैच में केकेआर को चेन्नई सुपर किंग्स से 32 रनों से हार का सामना करना पड़ा. 192 रनों के लक्ष्य को केकेआर चेज नहीं कर सकी और 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 160 रन ही बना सकी. मैच के बाद केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने माना कि बैटिंग में मोमेंटम की कमी कोलकाता नाइट राइडर्स को लगातार नुकसान पहुंचा रही है. हालांकि, उन्होंने बॉलिंग यूनिट की तारीफ की, जिन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में मुकाबले को रोमांचक बनाए रखा.

सनराइजर्स हैदराबाद को लगा बड़ा झटका, चोटिल गेंदबाज ब्रायडन कार्स टूर्नामेंट से हुआ बाहर, दिलशान मदुशंका को मिला मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद को आईपीएल 2026 के बीच एक बड़ा झटका लगा है. टीम के ऑलराउंडर ब्रायडन कार्स चोट के कारण एक भी मैच खेले बिना ही पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं. टीम ने कार्स की जगह श्रीलंकाई तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका को टीम में शामिल करने की घोषणा भी कर दी है. कार्स को हैदराबाद ने 1 करोड़ में रिटेन किया था. जबकि मदुशंका को 75 लाख रुपये में टीम में साइन किया है.

आईपीएल ने एक बयान में कहा, सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 के बाकी मैचों के लिए ब्रायडन कार्स की जगह दिलशान मदुशंका को चुना है. कार्स चोट के कारण आईपीएल के मौजूदा सीजन से बाहर हो गए हैं. बयान में आगे कहा गया, दिलशान मदुशंका, जो एक बाएं हाथ के मध्यम तेज गेंदबाज हैं, ने श्रीलंका के लिए एक टेस्ट, 28 वनडे और 19 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं और उनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 70 विकेट दर्ज हैं. वह सनराइजर्स हैदराबाद के साथ 75 लाख रुपये में जुड़ेंगे. यह श्रीलंकाई गेंदबाज इससे पहले आईपीएल में मुंबई इंडियंस का हिस्सा था. मदुशंका ने आईपीएल में अब तक कोई मैच नहीं खेला है. उन्हें 2024 में मुंबई इंडियंस ने 4.6 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के कारण वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे. मदुशंका के आने से सनराइजर्स हैदराबाद की गेंदबाजी यूनिट और मजबूत होगी.

शेयर बाजार में लौटी रौनक, सेंसेक्स 1350 अंक चढ़ा; निफ्टी 24200 के पार पहुंचा

मुंबई (एजेंसी)। एक दिन की छुट्टी के बाद घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत जोरदार तेजी के साथ हुई। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 1,400 अंक से अधिक उछलकर 78,270.42 के स्तर तक पहुंच गया, जबकि एनएसई निफ्टी 24,280.90 के उच्च स्तर को छू गया। बाजार में यह तेजी वैश्विक संकेतों के सकारात्मक रहने और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के चलते देखने को मिली। साथ ही अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति वार्ता की उम्मीदों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स के सभी 30 शेयर हरे निशान में कारोबार करते दिखे। प्रमुख बढ़त हासिल करने वाले शेयरों में इंटरग्लोब एविएशन, इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, लार्सन एंड टुब्रो और बजाज फाइनेंस शामिल रहे। बैंकिंग और रियल्टी सेक्टर के सूचकांकों में करीब 2 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.26 प्रतिशत बढ़कर 95.04 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था, जबकि कमजोर अमेरिकी मुद्रा के चलते रुपया 20 पैसे मजबूत होकर 93.15 प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

लिवेलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक हरिप्रसाद के ने कहा कि बाजार फिलहाल अल्पकालिक जोखिमों को नजरअंदाज करते हुए अमेरिका-ईरान के बीच संभावित कूटनीतिक समाधान पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट भारत जैसे ऊर्जा आयातक देश के लिए सकारात्मक संकेत है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ युद्ध समाप्ति के करीब है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि दोनों देशों के बीच वार्ता का अगला दौर जल्द ही इस्लामाबाद में आयोजित हो सकता है।

'पंत नहीं खेल पाएंगे आईपीएल 2026 में आगे के मैच'

पूर्व भारतीय सेलेक्टर ने दिया चौंकाने वाला बयान, कहा- लखनऊ खराब टीम

मुंबई (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत आईपीएल 2026 के मौजूदा सीजन के बचे हुए मैचों में वापसी कर पाएंगे। यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि इस विकेटकीपर-बल्लेबाज को आरसीबी के खिलाफ मुकाबले के दौरान जोश हेजलवुड के खिलाफ बैटिंग करते समय पंत की कोहनी में चोट लग गई थी। कोहनी में चोट की वजह से लखनऊ कप्तान पंत आरसीबी के खिलाफ मैच के दौरान ज्यादातर समय मैदान पर नजर नहीं आए थे। हालांकि वो आखिर में वे बल्लेबाजी के लिए आए, लेकिन दूसरी पारी में बिल्कुल भी नहीं खेले। मैदान पर कप्तान की गैर-मौजूदगी में लखनऊ को इस सीजन में 5 मैचों में तीसरी हार का सामना करना पड़ा।

अब भारत के पूर्व बल्लेबाज व सेलेक्टर क्रिस श्रीकांत ने दावा किया है कि चोट की वजह से ऋषभ पंत मौजूदा सीजन के बाकी मैच नहीं खेल पाएंगे। पूर्व बल्लेबाज ने यह भी कहा कि लखनऊ इस साल प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाएगा। हालांकि टीम के गेंदबाजी विभाग की तारीफ करते हुए, श्रीकांत ने टीम के बल्लेबाजी सेटअप पर तंज कसा और उसे बेहद खराब टीम बताया। श्रीकांत ने यूट्यूब चैनल पर कहा कि पंत अब लगता नहीं है कि आगे इस सीजन में खेल पाएंगे। लखनऊ एक बेहद खराब टीम है और ऐसा लगता है कि उनकी बल्लेबाजी बिल्कुल भी नहीं चलेगी।

श्रीकांत ने आगे कहा कि हर कोई कहता है कि लखनऊ ने अभी तक 200 रन नहीं दिए हैं, लेकिन 200 रन देने के लिए उन्हें पहले 200 रन बनाने भी तो होंगे, जो वे कभी नहीं करते। आरसीबी के खिलाफ लखनऊ की बैटिंग के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि लखनऊ ने काफी खराब बैटिंग की और इसे देखना भी मुश्किल था। मार्करम एक बेहद खराब क्रिकेटर हैं यही नहीं मिचेल मार्श, निकोलस पूरना और मार्करम इन तीनों को ही बेच पर बिठा देना चाहिए। अब उनके बड़े स्कोर बनाने का इंतजार बहुत हो चुका। इन तीनों को बाहर बिठाओ और इनकी जगह नए खिलाड़ियों को टीम में लाओ। वैसे भी अब उनके क्वालिफाई करने का कोई चांस नहीं है। आईपीएल 2026 के 23वें मुकाबले में लखनऊ के खिलाफ 3 छक्के लगाने के बाद आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने वैभव को पीछे छोड़ दिया और सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए।

मध्य पूर्व में तनाव के चलते वैश्विक विकास के दृष्टिकोण में आई गिरावट : आईएमएफ

वॉशिंगटन (एजेंसी)। मध्य पूर्व में जारी संघर्ष का असर अब वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी दिखने लगा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कहा है कि तकनीक निवेश और निजी क्षेत्र की मजबूती के बावजूद वैश्विक ग्रोथ के अनुमान को घटा दिया गया है।

भारत, जापान, यूएई, नीदरलैंड और चिली के पत्रकारों के साथ एक समूह साक्षात्कार के दौरान आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवियर गौरींचस ने कहा कि पहले 2026 के लिए वैश्विक ग्रोथ को 3.4 प्रतिशत तक बढ़ाने का अनुमान था, लेकिन अब यह घटकर करीब 3.1 प्रतिशत रह गया है।

उन्होंने कहा कि यह गिरावट ऐसे समय आई है जब वैश्विक अर्थव्यवस्था टैरिफ और व्यापार नीति से जुड़े झटकों के बाद धीरे-धीरे स्थिर हो रही थी। गौरींचस ने बताया कि पहले अर्थव्यवस्था में अच्छा मोमेंटम था, जिसे बेहतर वित्तीय स्थितियों और एआई तकनीक के बढ़ते उपयोग का समर्थन मिला था। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र ने भी तेजी से सप्लाई चेन को नए रास्तों से जोड़कर हालात संभाले, जिससे व्यापार तनाव के असर को कुछ हद तक कम किया जा सका।

आईएमएफ के अनुसार, टैरिफ और व्यापार से जुड़ी अनिश्चितता ने पहले वैश्विक ग्रोथ को 0.5 से 0.6 प्रतिशत तक प्रभावित किया था, लेकिन अब इसका असर कम होता जा रहा है। हालांकि, अब मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव ने नई चुनौती पैदा कर दी है, खासकर ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी और सप्लाई में बाधा के कारण।

सरकार ने नेशनल हाईवे पर ओवरलोडेड वाहनों के शुल्क संबंधी नियमों में किया बदलाव, लागू किए नए नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने नेशनल हाईवे पर ओवरलोडेड (अधिक वजन वाले) वाहनों के लिए शुल्क संबंधी नियमों में बदलाव करते हुए नए नियम अधिसूचित किए हैं। इन नियमों को 'नेशनल हाईवे फीस (रेट निर्धारण और संग्रह) चौथा संशोधन नियम, 2026' के तहत लागू किया गया है। ये नए नियम 15 अप्रैल 2026 से लागू होंगे, और इनका उद्देश्य ओवरलोडिंग पर नियंत्रण, सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना और हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

नए नियमों के तहत अब ओवरलोडिंग के प्रतिशत के आधार पर शुल्क लिया जाएगा। अगर कोई वाहन 10 प्रतिशत तक अतिरिक्त वजन ले जा रहा है, तो उस पर कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगेगा। लेकिन अगर वाहन 10 प्रतिशत से ज्यादा और 40 प्रतिशत तक ओवरलोड है, तो उसे बेस रेट का दोगुना शुल्क देना होगा। वहीं, 40 प्रतिशत से ज्यादा ओवरलोड वाले वाहनों पर बेस रेट का चार गुना शुल्क लगाया जाएगा। नियमों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि ओवरलोडिंग की जांच टोल प्लाजा पर लगे प्रमाणित वजन मापने वाले उपकरणों से की जाएगी। अगर किसी टोल प्लाजा पर वजन मापने की सुविधा नहीं है, तो वहां ओवरलोड शुल्क नहीं लिया जाएगा।

इसके अलावा, ओवरलोडिंग शुल्क केवल फास्टैग के जरिए ही वसूला जाएगा, और ऐसे वाहनों की जानकारी राष्ट्रीय वाहन रजिस्टर (वाहन) में दर्ज की जाएगी। जो वाहन बिना वैध फास्टैग के नेशनल हाईवे पर प्रवेश करेंगे, उनके खिलाफ मौजूदा नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, ये नए नियम उन कुछ निजी निवेश परियोजनाओं पर लागू नहीं होंगे, जो पहले से चल रही हैं, जब तक कि संबंधित कंपनी (कंसेशनायर) इन्हें अपनाने की सहमति न दे। सरकार ने शुल्क गणना को स्पष्ट करने के लिए उदाहरण भी दिए हैं।

पूरी दुनिया में जा सकती है नौकरियां, वर्ल्ड बैंक की बड़ी चेतावनी, मंडरा रहा खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव, खासकर इजराइल और ईरान से जुड़े संघर्ष के बीच वैश्विक अर्थव्यवस्था पर संकट के संकेत गहराने लगे हैं। इसी पर चिंता जताते हुए ववर्ल्ड बैंक के प्रमुख अजय बंगा ने आगाह किया है कि दुनिया एक लंबे और गंभीर रोजगार संकट की ओर बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में करोड़ों लोग बेरोजगारी की चपेट में आ सकते हैं। अजय बंगा के मुताबिक, अगले 10 से 15 वर्षों में विकासशील देशों में करीब 1.2 अरब लोग कामकाजी उम्र में प्रवेश करेंगे, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में केवल 40 करोड़ नई नौकरियां ही सृजित हो पाएंगी।

यानी लगभग 80 करोड़ नौकरियों की भारी कमी सामने आ सकती है। उन्होंने शॉर्ट-वेलोसिटी साइकल का जिक्र करते हुए कहा कि नीति-निर्माता तात्कालिक भू-राजनीतिक संकटों में उलझकर दीर्घकालिक समस्याओं—जैसे रोजगार सृजन—को नजरअंदाज कर रहे हैं।

वर्ल्ड बैंक प्रमुख ने कहा कि सरकारों को रोजगार के साथ-साथ बुनियादी सुविधाओं—जैसे स्वच्छ पानी, बिजली और इंफ्रास्ट्रक्चर—पर भी समान रूप से ध्यान देना होगा। चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि यदि रोजगार के अवसर नहीं बढ़े, तो अवैध प्रवासन और सामाजिक अस्थिरता में वृद्धि हो सकती है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि 2025 तक दुनियाभर में 11.7 करोड़ से अधिक लोग विस्थापन का सामना कर चुके हैं। वर्ल्ड बैंक ने विकासशील देशों में निवेश को बढ़ावा देने के लिए कई सुधारों पर जोर दिया है। इनमें व्यापार नियमों को सरल बनाना, श्रम और भूमि कानूनों में सुधार, लॉजिस्टिक्स को बेहतर करना और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण शामिल है।

बंगा ने उदाहरण देते हुए कहा कि रिलायंस इंडस्ट्रीज और महिंद्रा ग्रुप जैसी भारतीय कंपनियां वैश्विक स्तर पर तेजी से विस्तार कर रही हैं। वहीं, डांगोटे ग्रुप भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी मौजूदगी मजबूत कर रहा है।

वर्ल्ड बैंक का लक्ष्य एक अरब लोगों तक सुरक्षित पेयजल पहुंचाना और खासकर अफ्रीका में करोड़ों लोगों को बिजली उपलब्ध कराना है। अजय बंगा ने कहा कि इन चुनौतियों से निपटने के लिए सरकारों, विकास बैंकों और निजी निवेशकों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल संयुक्त प्रयासों के जरिए ही दुनिया मौजूदा आर्थिक दबावों और भविष्य के संभावित संकटों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकती है।

संपादकीय

बच्चों को गहरा नुकसान

कोर्ट ने पाया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने एडिक्टिव डिजाइन फीचर्स बनाए। बच्चों पर उनके संभावित दुष्प्रभाव के बारे में उन्होंने पूर्व चेतावनी नहीं दी। इस कारण कोर्ट ने उन पर लगभग 60 लाख डॉलर का जुर्माना लगाया है।

सोशल मीडिया कंपनियों ने अपने प्लेटफॉर्म पर जानबूझ कर ऐसी तकनीकी व्यवस्था की है, जिससे यूजर्स को उन पर बने रहने की लत लग जाती है। खासकर बच्चों को इससे गहरा नुकसान हो रहा है। अमेरिका में कैलिफोर्निया की एक अदालत ने पिछले हफ्ते इस संबंध में एक दूरगामी महत्व का फैसला दिया। उसमें सोशल मीडिया कंपनियों मेटा (इंस्टाग्राम) और गूगल (यूट्यूब) को बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य हानि पहुंचाने का दोषी ठहराया गया। कोर्ट ने पाया कि इन प्लेटफॉर्म्स ने एडिक्टिव डिजाइन (लत डालने वाले) फीचर्स बनाए। बच्चों पर उनके हो सकने वाले दुष्प्रभाव के बारे में उन्होंने कोई पूर्व चेतावनी नहीं दी। इस कारण कोर्ट ने उन कंपनियों पर लगभग 60 लाख डॉलर का जुर्माना लगाया है।

यह फैसला एक 20 वर्षीय महिला की याचिका पर आया, जिसने बताया कि बचपन से ही इंस्टाग्राम और यूट्यूब के उपयोग ने उसके जीवन पर खराब असर डाला और उसकी मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ाईं। इस फैसले को सोशल मीडिया कंपनियों के लिए पहला बड़ा कानूनी झटका माना गया है। विशेषज्ञों के मुताबिक अब मेटा और गूगल जैसी कंपनियों पर अपने प्लेटफॉर्म डिजाइन बदलने और उन्हें बच्चों के लिए सुरक्षित बनाने के लिए दबाव बढ़ेगा। मगर ये बात अमेरिका के अंदर की है। बाहर में जब कभी किसी देश ने इन कंपनियों पर लगाम लगाने की कोशिश की है, अमेरिका सरकार अपनी कंपनियों के बचाव में आ खड़ी हुई है।

डॉनल्ड ट्रंप के शासनकाल में यह प्रवृत्ति अधिक आक्रामक नजर आई है। विनियमन की यूरोपियन यूनियन की कोशिश के खिलाफ ट्रंप खुद मोर्चा संभाले रहे हैं। इसके बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने सोशल मीडिया तक बच्चों की पहुंच रोकने के ठोस कदम उठाए हैं। भारत में भी ऐसी चर्चा हाल में तेज हुई है। कर्नाटक सरकार ने इस दिशा में पहल की है। मगर जब ऐसा कदम केंद्र के स्तर पर नहीं उठाया जाता, उसके प्रभावी होने की संभावना नहीं है। अतः नरेंद्र मोदी सरकार को कम-से-कम इस मामले में अमेरिकी दबाव की परवाह ना करते हुए ठोस वैधानिक पहल करनी चाहिए। बच्चों को सिर्फ कंज्यूमर समझने वाली कंपनियों को विनियमित करने की अति-आवश्यकता है।

भारत की सधी हुई चाल, ऑस्ट्रिया के साथ सहयोग बढ़ाकर मोदी ने किया कमाल

भारत और ऑस्ट्रिया के बीच संबंधों को नई दिशा देने वाली एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल के तहत ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर की भारत यात्रा ऐतिहासिक मानी जा रही है। लगभग चार दशकों के बाद किसी ऑस्ट्रियाई चांसलर का भारत आगमन न केवल द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती का संकेत है, बल्कि यह वैश्विक परिदृश्य में बदलती प्राथमिकताओं के बीच नई साझेदारी के निर्माण का भी प्रतीक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चांसलर स्टॉकर का स्वागत करते हुए इसे विशेष अवसर बताया और इस बात पर जोर दिया कि यूरोप के बाहर अपनी पहली यात्रा के लिए भारत को चुना ऑस्ट्रिया की भारत के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते के बाद आर्थिक और रणनीतिक सहयोग के नए अवसर सामने आए हैं। भारत और ऑस्ट्रिया के संबंध पहले से ही अवसंरचना, नवाचार और सतत विकास के क्षेत्रों में मजबूत रहे हैं। दिल्ली मेट्रो और अटल सुरंग जैसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में ऑस्ट्रिया की तकनीकी विशेषज्ञता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके अलावा रेलवे परियोजनाओं, रोपवे, स्वच्छ ऊर्जा और शहरी विकास जैसे क्षेत्रों में भी ऑस्ट्रियाई कंपनियों की सक्रिय भागीदारी रही है।

इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कुल पंद्रह महत्वपूर्ण समझौते और पहलें सामने आई, जो रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार, नवाचार और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों को कवर करती हैं। इनमें सबसे प्रमुख है आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त कार्य समूह की स्थापना का प्रस्ताव, जो वैश्विक स्तर पर आतंकवाद से निपटने में रणनीतिक सहयोग को मजबूत करेगा। रक्षा क्षेत्र में भी सहयोग को नई गति देने के लिए सैन्य मामलों में सहयोग पर एक आशय पत्र पर सहमति बनी है।

इसके तहत रक्षा उद्योग, नीति संवाद, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण को बढ़ावा दिया जाएगा। यह पहल भारत और यूरोप के बीच हाल ही में हुए सुरक्षा सहयोग को भी मजबूती प्रदान करेगी। आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक

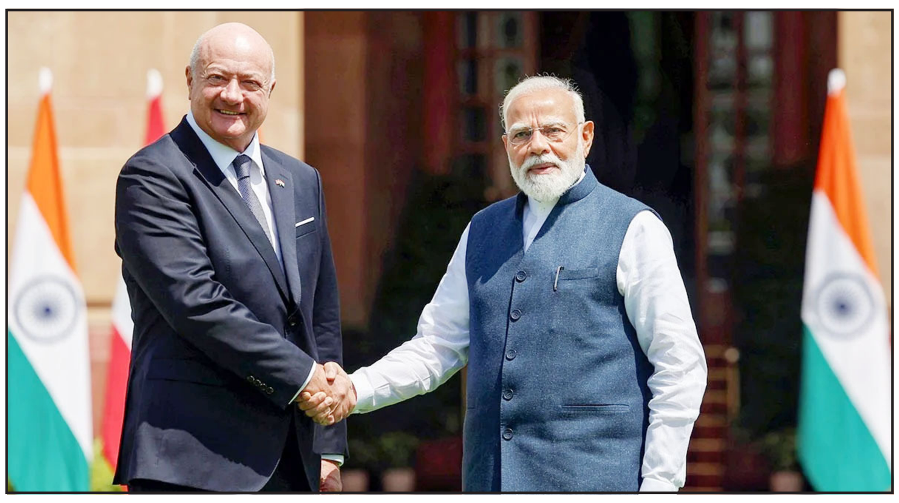

फास्ट ट्रैक तंत्र स्थापित करने की घोषणा की गई है, जिससे दोनों देशों की कंपनियों और निवेशकों को आने वाली समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जा सकेगा। इससे व्यापार को सुगम बनाने और निवेश को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

सांस्कृतिक और रचनात्मक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए ऑडियो विजुअल सह उत्पादन समझौता किया गया है, जिससे दोनों देशों के फिल्म उद्योग के बीच संयुक्त निर्माण और सांस्कृतिक आदान प्रदान को बढ़ावा मिलेगा। खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में भी एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है, जिसके तहत वैज्ञानिक सहयोग, मानकों के आदान प्रदान और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया जाएगा। इससे कृषि और खाद्य उत्पादों के व्यापार को भी मजबूती मिलेगी।

इसके अलावा, दोनों देशों के बीच कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए, एक संयुक्त आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसमें प्रशिक्षुता प्रणाली, ज्ञान साझा करने और योग्यता की पारस्परिक मान्यता पर जोर दिया गया है। इसके अलावा शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए संरचित संवाद शुरू करने और तकनीकी विश्वविद्यालयों के माध्यम से भारतीय छात्रों के लिए नए अवसर उपलब्ध कराने की पहल भी की गई है।

इस यात्रा के दौरान स्टार्टअप सहयोग को बढ़ाने, साइबर सुरक्षा संवाद शुरू करने, अंतरिक्ष उद्योग में संयुक्त सेमिनार आयोजित करने और वर्किंग हॉलिडे कार्यक्रम को लागू करने जैसी घोषणाएं भी की गईं। उच्च प्रौद्योगिकी जैसे क्वांटम तकनीक, मशीन लर्निंग, जल शोधन और सामग्री विज्ञान में संयुक्त अनुसंधान को साझेदारी का मुख्य आधार बनाया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर यह भी कहा कि भारत की प्रतिभा और ऑस्ट्रिया की नवाचार क्षमता मिलकर वैश्विक स्तर पर भरोसेमंद तकनीक और आपूर्ति श्रृंखला विकसित कर सकती है। उन्होंने रक्षा, सेमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी और क्वांटम क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं को रेखांकित किया। इसके अलावा, मानव संसाधन के क्षेत्र में भी दोनों देशों ने प्रगति की दिशा में कदम बढ़ाया है। वर्ष 2023 में हुए प्रवासन और गतिशीलता समझौते के तहत अब नर्सिंग क्षेत्र में भी सहयोग को विस्तार दिया जाएगा। युवा आदान प्रदान को प्रोत्साहित करने के लिए वर्किंग हॉलिडे कार्यक्रम की शुरुआत की गई है।

साथ ही वैश्विक परिदृश्य पर चर्चा करते हुए दोनों देशों ने इस बात पर सहमति जताई कि सैन्य संघर्ष किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। चाहे यूक्रेन का संकट हो या पश्चिम एशिया की स्थिति, दोनों देशों ने स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया। साथ ही वैश्विक संस्थाओं में सुधार और आतंकवाद के पूर्ण उन्मूलन की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। हम आपको एक बार फिर बता दें कि ऑस्ट्रिया भारत के लिए एक महत्वपूर्ण यूरोपीय साझेदार है। यह मध्य और पूर्वी यूरोप में प्रवेश का एक प्रमुख द्वार है और हरित प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा तथा उन्नत इंजीनियरिंग में इसकी विशेषज्ञता भारत के विकास कार्यक्रमों के लिए उपयोगी है। दोनों देशों के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है और यह लगभग तीन अरब डॉलर के स्तर तक पहुंच चुका है।

देखा जाये तो भारत और ऑस्ट्रिया के बीच मजबूत होते संबंधों का प्रभाव वैश्विक भू-राजनीति पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। यूरोप के मध्य में स्थित ऑस्ट्रिया, भारत के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सेतु का काम करता है, जिससे भारत को यूरोप के बाजारों, तकनीक और निवेश तक बेहतर पहुंच मिलती है। इस सहयोग से भारत की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भूमिका और अधिक मजबूत होगी, विशेषकर उच्च प्रौद्योगिकी, रक्षा और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में। इसके साथ ही, ऑस्ट्रिया का भारत के प्रति समर्थन अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्थिति को सुदृढ़ करेगा, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता जैसे मुद्दों पर। दक्षिण एशिया के संदर्भ में यह साझेदारी भारत की रणनीतिक बढ़त को और मजबूत करेगी, क्योंकि उन्नत तकनीक, रक्षा सहयोग और आर्थिक निवेश के माध्यम से भारत क्षेत्रीय नेतृत्व को और प्रभावी ढंग से स्थापित कर सकेगा। इससे न केवल भारत की सुरक्षा क्षमताएं बढ़ेंगी, बल्कि वह क्षेत्र में स्थिरता, विकास और संतुलन बनाए रखने में भी अधिक सक्षम भूमिका निभा सकेगा। बहरहाल, ऑस्ट्रिया के चांसलर की भारत यात्रा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दोनों देश अपने संबंधों को केवल पारंपरिक सहयोग से आगे बढ़कर नवाचार केंद्रित और भविष्य उन्मुख साझेदारी की ओर अग्रसर हैं। दोनों देशों ने मिलकर एक ऐसे सहयोग मॉडल की नींव रखी है जो न केवल द्विपक्षीय हितों को साधेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी स्थिरता और प्रगति में योगदान देगा।

बिहार में संभावनाएं विकास की : अब सत्ता सम्राट की

बिहार की राजनीति लंबे समय से बदलाव, प्रयोग और नेतृत्व के उतार-चढ़ाव का साक्षी रही है। ऐसे परिदृश्य में जब लंबे इंतजार और जटिल कूटनीतिक समीकरणों के बाद पहली बार भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में शासन स्थापित होने की स्थिति बनती है और सम्राट चौधरी जैसे नेता मुख्यमंत्री के रूप में उभरते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि एक संभावित राजनीतिक और प्रशासनिक परिवर्तन का संकेत भी है। यह क्षण बिहार के लिए एक नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है, जहां अपेक्षाएं केवल शासन परिवर्तन की नहीं, बल्कि शासन की गुणवत्ता, दृष्टि और परिणामों की भी हैं। नये मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी के सामने न सिर्फ बिहार की जनता में एक कुशल प्रशासक की छाप छोड़ने की चुनौती है, बल्कि पार्टी की अपेक्षाओं एवं नीतीश कुमार द्वारा खींची रेखाओं से आगे निकलने के संघर्ष में भी उन्हें खरा उतरना होगा। सम्राट को उससे आगे ऐसा कुछ करना होगा, ताकि भाजपा उसके आधार पर भविष्य की दावेदारी पेश कर सके एवं अपने बल पर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की पात्रता विकसित कर सके। बिहार में भाजपा का एक नया अध्याय शुरु हो रहा है, सम्राट के भरोसे से राजनीति

सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री के रूप में चयन कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। वे कोई अप्रत्याशित या अपरिचित चेहरा नहीं हैं। बिहार की राजनीति में सक्रिय रहते हुए, उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए और विभिन्न राजनीतिक धाराओं से गुजरते हुए उन्होंने राज्य की जटिलताओं को निकट से समझा है। उनकी राजनीतिक यात्रा उन्हें एक व्यावहारिक नेता के रूप में स्थापित करती है, जो केवल सिद्धांतों तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन की वास्तविकताओं से भी जुड़ा हुआ है। यही कारण है कि उनके नेतृत्व से बिहार की जनता को एक ऐसे प्रशासन की उम्मीद है जो नीतिगत स्पष्टता के साथ-साथ क्रियान्वयन की क्षमता भी रखता हो। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि बिहार में नेतृत्व का मूल्यांकन केवल व्यक्ति के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी नीतियों, प्राथमिकताओं और परिणामों के आधार पर होता है। पिछले वर्षों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से सामने आई है कि शासन की सफलता का निर्धारण केवल मुख्यमंत्री के व्यक्तित्व से नहीं, बल्कि उस व्यापक नीति-ढांचे से होता है जो केंद्र और राज्य के बीच समन्वय स्थापित करता है। भारतीय राजनीति में यह एक नया आयाम है, जहां केंद्र सरकार की नीतियां राज्यों के विकास की दिशा को काफी हद तक प्रभावित करती हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों के उदाहरण इस बात को पुष्ट करते हैं कि अपेक्षाकृत कम चर्चित चेहरों के बावजूद विकास की गति तेज रह सकती है, यदि नीतिगत समर्थन और प्रशासनिक इच्छाशक्ति मजबूत हो।

बिहार के संदर्भ में यह पहलू और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यह राज्य लंबे समय तक अवसंरचनात्मक पिछड़ेपन, बेरोजगारी, पलायन और सामाजिक विषमताओं से जूझता रहा है। ऐसे में सम्राट चौधरी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वे इन जटिल समस्याओं के समाधान के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करें। केवल राजनीतिक स्थिरता पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि उसे विकासात्मक स्थिरता में परिवर्तित करना होगा। सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूलभूत क्षेत्रों में निरंतर सुधार के साथ-साथ रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान देना होगा, ताकि बिहार के युवाओं को अपने ही राज्य में अवसर मिल सकें। यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि बिहार के हालिया इतिहास में यदि किसी नेता ने प्रशासनिक सुधार और सुशासन की एक स्पष्ट छवि प्रस्तुत की है, तो वह नीतीश कुमार हैं। उन्होंने जिस समय सत्ता संभाली, उस समय बिहार 'जंगलराज' की छवि से जूझ रहा था। कानून-व्यवस्था की स्थिति दयनीय थी, अवसंरचना लगभग ध्वस्त थी और राज्य की छवि राष्ट्रीय स्तर पर नकारात्मक थी। ऐसे समय में नीतीश कुमार ने सड़क, बिजली और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार किए। विशेष रूप से बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए, साइकिल योजना जैसी पहलें सामाजिक परिवर्तन का आधार बनीं। उन्होंने प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही को भी बढ़ाने का प्रयास किया, जिससे शासन के प्रति जनता का विश्वास पुनः स्थापित हुआ।

नीतीश कुमार का व्यक्तित्व एक संतुलित, संयमित और व्यावहारिक नेता के रूप में उभरता है। वे आक्रामक राजनीति के बजाय संवाद और सहमति की राजनीति के पक्षधर रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठाकर विकास के एजेंडे से जोड़ने का प्रयास किया। हालांकि समय के साथ उनकी राजनीतिक रणनीतियों और गठबंधनों में बदलाव ने उनकी छवि को कुछ हद तक प्रभावित भी किया, लेकिन उनके द्वारा स्थापित प्रशासनिक मानक आज भी बिहार के लिए एक संदर्भ बिंदु बने हुए हैं। सम्राट चौधरी के लिए यह एक बड़ी चुनौती और अवसर दोनों है कि वे इन स्थापित मानकों को न केवल बनाए रखें, बल्कि उन्हें और आगे बढ़ाएं। उन्हें यह समझना होगा कि बिहार की जनता अब केवल वादों से संतुष्ट नहीं होती, बल्कि परिणाम चाहती है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभी भी सुधार की व्यापक संभावनाएं हैं। सरकारी विद्यालयों की गुणवत्ता, उच्च शिक्षा के अवसर, अस्पतालों की स्थिति और चिकित्सकीय सुविधाओं का विस्तार ऐसे क्षेत्र हैं जहां ठोस कार्य की आवश्यकता है। इसके साथ ही भ्रष्टाचार एक ऐसी समस्या है जो किसी भी विकासात्मक प्रयास को कमजोर कर सकती है। यदि सम्राट चौधरी वास्तव में एक प्रभावी और जनोन्मुखी शासन स्थापित करना चाहते हैं, तो उन्हें प्रशासनिक स्तर पर भ्रष्टाचारमुक्त शासन, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। डिजिटल गवर्नेंस, ई-टेंडरिंग और निगरानी तंत्र को सशक्त बनाकर इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं।

महिला सशक्तिकरण भी बिहार के विकास का एक महत्वपूर्ण आयाम है। पिछले वर्षों में इस दिशा में कुछ सकारात्मक पहलें हुई हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को बढ़ाना राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए अनिवार्य है। यदि सम्राट चौधरी इस क्षेत्र में ठोस और नवाचारी कदम उठाते हैं, तो यह बिहार की प्रगति को एक नई दिशा दे सकता है। पलायन की समस्या भी बिहार के लिए एक स्थायी चुनौती रही है। लाखों लोग रोजगार की तलाश में अन्य राज्यों में जाते हैं, जिससे न केवल राज्य की श्रमशक्ति का क्षरण होता है, बल्कि सामाजिक संरचना पर भी प्रभाव पड़ता है। इस समस्या का समाधान केवल उद्योगों के विकास और स्थानीय रोजगार के अवसरों के सृजन से ही संभव है। कृषि आधारित उद्योग, लघु और मध्यम उद्योग तथा स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देकर इस दिशा में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। निश्चिततौर पर यह कहा जा सकता है कि बिहार आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां अतीत के अनुभव, वर्तमान की अपेक्षाएं और भविष्य की संभावनाएं एक साथ उपस्थित हैं। सम्राट चौधरी के नेतृत्व में यह राज्य किस दिशा में आगे बढ़ेगा, यह उनके निर्णयों, नीतियों और कार्यशैली पर निर्भर करेगा। यदि वे नीतीश कुमार द्वारा स्थापित सुशासन के मानकों को आधार बनाते हुए नवाचार और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ आगे बढ़ते हैं, तो बिहार न केवल अपने पुराने कलंक से पूरी तरह मुक्त हो सकता है, बल्कि एक विकसित और आत्मनिर्भर राज्य के रूप में भी उभर सकता है। यह समय केवल नेतृत्व परिवर्तन का नहीं, बल्कि सोच और दृष्टिकोण के परिवर्तन का है। बिहार की जनता अब जागरूक है, अपेक्षाएं स्पष्ट हैं और अवसर भी व्यापक हैं। ऐसे में सम्राट चौधरी के लिए यह आवश्यक है कि वे व्यक्ति-आधारित राजनीति से ऊपर उठकर नीतियों और परिणामों पर केंद्रित शासन प्रस्तुत करें। यदि वे ऐसा कर पाते हैं, तो न केवल वे अपने नेतृत्व को सिद्ध करेंगे, बल्कि बिहार को एक नई पहचान भी देंगे-एक ऐसे राज्य के रूप में जो संघर्ष से उबरकर सफलता की नई गाथा लिखने में सक्षम है।

क्या महिलाओं को जिम में नहीं करनी चाहिए ये एक्सरसाइज?

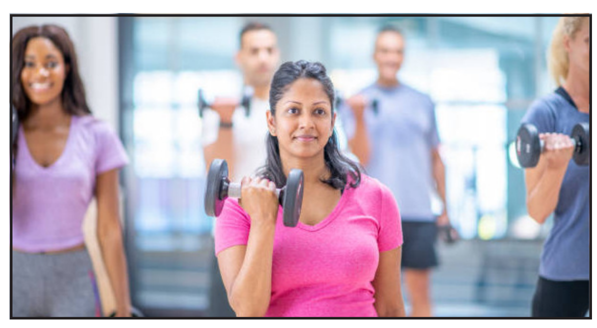

महिलाओं के लिए जिम जाना या व्यायाम करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है, लेकिन कई बार हमें कुछ ऐसी गलत धारणाएं सुनने को मिलती हैं, जो हमारे मन में कई सवाल खड़े कर देती हैं। इस लेख में हम कुछ ऐसी ही गलत धारणाओं को दूर करेंगे, ताकि महिलाएं सही जानकारी के आधार पर अपनी फिटनेस यात्रा शुरू कर सकें।

एक आम धारणा यह है कि भारी वजन उठाने से महिलाओं की मांसपेशियां बहुत बड़ी हो जाती हैं। यह सच नहीं है। महिलाओं का शरीर पुरुषों की तरह मांसपेशियों को बढ़ाने वाले हार्मोन से संपन्न नहीं होता, जिससे उनकी मांसपेशियां बहुत बड़ी हो सकें। महिलाएं भारी वजन उठाकर अपनी मांसपेशियों को टोन कर सकती हैं, लेकिन वे इतनी आसानी से बड़ी नहीं होंगी। इसलिए महिलाएं बिना किसी डर के भारी वजन उठा सकती हैं। कई लोग मानते हैं कि कार्डियो ही सबसे अच्छा व्यायाम है और इससे ही वजन कम होता है। हालांकि, यह सही है कि कार्डियो वजन घटाने में मदद करता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि अन्य व्यायाम अहम नहीं होते। वजन उठाना, योगा या पिलाटिस जैसी व्यायाम भी बहुत फायदेमंद होते हैं। इसके अलावा शरीर की एनर्जी को बढ़ाने के लिए कार्डियो के साथ-साथ मांसपेशियों की व्यायाम भी जरूरी है।

बहुत से लोग महिलाओं को स्क्वाट और डेडलिफ्ट जैसी व्यायाम करने से मना करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे शरीर का आकार बिगड़ जाएगा या मांसपेशियां बहुत बड़ी हो जाएंगी। यह पूरी तरह गलत है। सही तरीके से की गई व्यायाम से न केवल मांसपेशियां मजबूत होती हैं, बल्कि शरीर का संतुलन भी बेहतर होता है। इसके अलावा ये व्यायाम दिल की सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होती हैं। कई लोग मानते हैं कि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने पर वजन बढ़ जाता है, जबकि असलियत में ऐसा नहीं होता। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग से मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर का संतुलन बेहतर होता है। इससे वजन कम करने में मदद मिलती है। इसलिए महिलाओं को चाहिए कि वे इन गलत धारणाओं से प्रभावित न हों और सही जानकारी के आधार पर अपनी फिटनेस यात्रा जारी रखें। इससे न केवल उनका स्वास्थ्य बेहतर होगा बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

भारत की जनगणना 2027 : बदलते भारत की नई कहानी

क्या आपने कभी सोचा है कि आपके घर की छोटी-सी जानकारी—जैसे पानी, बिजली या परिवार के सदस्यों का विवरण—देश के विकास में कितना बड़ा योगदान दे सकती है? दरअसल, हर नागरिक की दी गई जानकारी मिलकर ही भारत के भविष्य की दिशा तय करती है। इसी कड़ी में वर्ष 2027 की जनगणना एक खास पड़ाव बनने जा रही है। यह केवल एक सरकारी प्रक्रिया नहीं, बल्कि बदलते भारत की एक नई कहानी है—एक ऐसी कहानी जिसमें हर नागरिक की भागीदारी है। इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल अंदाज़ में होगी, जो इसे पहले की सभी जनगणनाओं से अलग और अधिक आधुनिक बनाती है। छत्तीसगढ़ में इस महाअभियान को लेकर तैयारियाँ तेज़ी से पूरी की जा रही हैं। वातावरण ऐसा है मानो कोई बड़ा जनउत्सव आने वाला हो—और वास्तव में, यह एक ऐसा अभियान है जिसमें हर व्यक्ति की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है।

भारत में जनगणना की शुरुआत 1872 में हुई थी और 1881 से इसे पूरे देश में व्यवस्थित रूप से लागू किया गया। स्वतंत्रता के बाद 1951 में पहली जनगणना आयोजित हुई, जिसने देश के विकास की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाई। अब वर्ष 2027 की जनगणना इस ऐतिहासिक यात्रा का आधुनिक रूप है। यह न केवल देश की वर्तमान स्थिति का आकलन करेगी, बल्कि भविष्य की योजनाओं की नींव भी तैयार करेगी। छत्तीसगढ़ में यह प्रक्रिया दो चरणों में पूरी होगी—पहला चरण अप्रैल-मई 2026 में और दूसरा फरवरी-मार्च 2027 में आयोजित किया जाएगा। राज्य के लिए संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 (रात 12 बजे) निर्धारित की गई है, जिसके आधार पर प्रत्येक व्यक्ति की गणना की जाएगी। अब आपकी बारी: खुद करें अपनी जनगणना! इस बार जनगणना की सबसे रोचक और उपयोगी सुविधा है—स्व-गणना। अब आप स्वयं अपने घर और परिवार की जानकारी ऑनलाइन भर सकते हैं। 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 के बीच

पोर्टल पर जाकर मोबाइल नंबर और ओटीपी के माध्यम से लॉगिन कर यह प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। आपसे परिवार के सदस्यों की संख्या, उनकी आयु, शिक्षा, व्यवसाय और घर की सुविधाओं से जुड़े कुछ सरल प्रश्न पूछे जाएंगे। पूरी जानकारी भरने के बाद आपको एक एसई आईडी प्राप्त होगी। जब प्रगणक आपके घर आएंगे, तो केवल यह पहचान दिखानी होगी और आपकी जानकारी सत्यापित कर ली जाएगी—यानी बार-बार जानकारी देने की आवश्यकता नहीं होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जनगणना के दौरान किसी भी प्रकार के दस्तावेज़ दिखाने की आवश्यकता नहीं होती। आप जो जानकारी देंगे, वही दर्ज की जाएगी। स्व-गणना के प्रति लोगों का रुझान भी तेजी से बढ़ रहा है—देशभर में लाखों परिवार इस सुविधा का उपयोग कर चुके हैं, जो इस डिजिटल पहल की बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाता है।

इस बार जनगणना पूरी तरह तकनीक के सहारे संचालित होगी। प्रगणक मोबाइल ऐप के माध्यम से डेटा दर्ज करेंगे, जिससे काम तेज़ और अधिक सटीक होगा। साथ ही, आधुनिक जीआईएस आधारित डिजिटल मैपिंग का उपयोग कर हर क्षेत्र और गणना ब्लॉक को स्पष्ट रूप से चिन्हित किया जा रहा है, ताकि कोई भी घर या व्यक्ति छूट न जाए। डेटा के बेहतर प्रबंधन और निगरानी के लिए उन्नत डिजिटल सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित बनी रहती है। एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में, इस बार जाति संबंधी आंकड़ों का भी समावेश किया जाएगा, जो दशकों बाद समाज की व्यापक तस्वीर प्रस्तुत करेगा।

जनगणना में समाज के हर वर्ग को शामिल करने का विशेष ध्यान रखा जाता है। इसी के तहत बेघर व्यक्तियों की गणना भी अलग से, विशेष अभियान के माध्यम से की जाती है, ताकि कोई भी नागरिक इस प्रक्रिया से वंचित न रह जाए। और जहाँ तक आपकी जानकारी की सुरक्षा का सवाल है—यह पूरी तरह गोपनीय रहती है। इसे किसी अन्य विभाग या एजेंसी के साथ साझा नहीं किया जाता। छत्तीसगढ़ में इस अभियान के लिए बड़े पैमाने पर तैयारियाँ की गई हैं। शहरों से लेकर गाँवों तक, हर क्षेत्र में जनगणना टीम सक्रिय रहेगी, ताकि कोई भी परिवार छूट न जाए। नागरिकों की सुविधा के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1855 भी जारी किया गया है, जहाँ किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता प्राप्त की जा सकती है। जब आप सही जानकारी देते हैं, तो आप केवल एक फॉर्म नहीं भरते, बल्कि अपने क्षेत्र के विकास में योगदान देते हैं। आपकी दी गई जानकारी से ही तय होता है कि कहाँ नई सड़क बनेगी, कहाँ स्कूल खुलेगा और कहाँ स्वास्थ्य सुविधाओं की जरूरत है। जनगणना एक आईना है, जिसमें देश खुद को देखता है।

व्हाइट शॉर्ट ड्रेस में हिना ने दिए किलर पोज

हिना खान हमेशा सुर्खियों में रहती हैं. अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर कर इंटरनेट को हिलाए रखती हैं.हिना खान टीवी की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक हैं. हिना खान जिंदगी का हर पल खुलकर जी रही हैं और दूसरों के लिए इंस्पिरेशन भी बनी हुई हैं. एक्ट्रेस अक्सर अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी शेयर करती रहती हैं जिन्हें फैंस बेहद पसंद करते वहीं. वहीं अब हिना ने व्हाइट शॉर्ट ड्रेस में कमसिन कली बन अपनी फोटोज शेयर की हैं जिन्होंने फैंस को दीवाना बना दिया है. कैंसर से लड़ रही हिना खान ने एक बार फिर अपनी लेटेस्ट तस्वीरों से फैंस के दिलों को घायल कर दिया है.एक्ट्रेस ने व्हाइट कलर की शॉर्ट ड्रेस में अपनी कई खूबसूरत फोटोज इंस्टा अकाउंट पर शेयर की हैं.तस्वीरों में हिना खान हेयर विग लगाए हुए नजर आ रही हैं और काफी खूबसूरत भी लग रही हैं.इस तस्वीर में हिना अपने बालों को कान के पीछे करते हुए अपने हुस्न का जलवा दिखा रही हैं.

इस फोटो में भी एक्ट्रेस सिर पर हाथ रखकर और नजरें झुकाए हुए पोज देती दिख रही हैं.

इस फोटो में हिना अपनी बालकनी में खड़े होकर पोज दे रही हैं.तस्वीरों में हिना ने ग्लॉसी मेकअर किया हुआ है और लाइट कलर की लिपस्टिक लगाई है. एक्ट्रेस ने अपने कानों में भी व्हाइट ईयररिंग्स पहने हैं.

इस तस्वीर में हिना टोन्ड लेग्स फ्लॉन्स करती दिख रही हैं।

सिकंदर को 100 करोड़ तक पहुंचने में लगे थे 8 दिन

सलमान खान और रश्मिका मंदाना की फिल्म सिकंदरको बॉक्स ऑफिस पर अछा रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है. ये फिल्म रिलीज के आठवें दिन 100 करोड़ी हो पाई है. जिस फिल्म को लेकर इतना बज हो उसके मेकर्स के लिए ये निराशाजनक कलेक्शन है. फिल्म सिकंदर ने बीते रविवार यानी छुट्टी के दिन भी कुछ खास कलेक्शन नहीं किया है. शुरुआती तीन दिन छोड़ देने के बाद सलमान खान और रश्मिका मंदाना की फिल्म डबल डिजिट में कमाई करने को तरस गई है. इस तरह से फिल्म लोगों को सिनेमाघरों तक लाने में सफल नहीं हो पाई है. आइए जानते हैं कि फिल्म सिकंदर ने रविवार को कितनी कमाई की है.

फिल्म सिकंदर को छुट्टी पर नहीं मिला अछा रिस्पॉन्स

सलमान खान और रश्मिका मंदाना की फिल्म सिकंदर 30 मार्च को ईद के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. फिल्म ने शुरुआती 3 दिन में करीब 75 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया था और 100 करोड़ रुपये तक पहुंचने में 8 दिन लग गए. फिल्म सिकंदर की कमजोर कहानी और स्टार्स की खराब एक्टिंग ने मेकर्स का पैसा डुबो दिया है. फिल्म की हालत तो ये है कि छुट्टी वाले दिन भी लोग सिनेमाघरों में नहीं पहुंच रहे हैं. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने रविवार को 4.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. फिल्म सिकंदर ने अब तक 100.25 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. हालांकि, फिल्म की कमाई के ये आंकड़े फाइनल नहीं हैं. बताते चलें कि फिल्म सिकंदर में पहली बार सलमान खान और रश्मिका मंदाना की जोड़ी बनी है और ये साल 2025 की मच-अवेटेड फिल्मों में से एक थी. इसके बाद भी ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर चल नहीं पाई.

सलमान खान का स्टारडम भी नहीं आया काम

फिल्म सिकंदर में सलमान खान का स्टारडम भी काम नहीं आया है. दरअसल, भाईजान के नाम पर लोग फिल्म देखने के लिए सिनेमाघरों में चले जाते थे लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ है. गौरतलब है कि एआर मुरुगादॉस के डायरेक्शन में बनी फिल्म सिकंदर में सलमान खान और रश्मिका मंदाना के अलावा काजल अग्रवाल, शरमन जोशी, प्रतीक बब्बर, सत्यराज भी हैं।

100 करोड़ के बड़े प्रोजेक्ट में श्रद्धा कपूर की एंट्री

स्त्री 2 से बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने वाली एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर एक बार फिर से चर्चा में आ गई हैं. इस फिल्म के बाद बड़े-बड़े फिल्ममेकर्स और डायरेक्टर्स एक्ट्रेस के साथ काम करना चाहते हैं, लेकिन श्रद्धा अब अपने अगले प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी सोच-समझकर ही फैसला ले रही हैं और थोड़ा वक्त लेकर ही साइन कर रही हैं.स्त्री 2 की सफलता के बाद उन्हें कई सारे ऑफर मिले और वह कई सारी स्क्रिप्ट्स पढ़ रही हैं, जो टी-सीरीज, धर्मा और एक्सेल जैसे बड़े बैनर्स से आ रही हैं. हालांकि इस बीच एक्ट्रेस को लेकर बड़ी खबर सामने आई है.दरअसल, अब खबर है कि श्रद्धा कपूर ने स्त्री 2 के बाद अपनी अगली फिल्म फाइनल कर ली है. एक्ट्रेस अब तुम्बाड फेम डायरेक्टर राही अनिल बर्वे के साथ एक धांसू थ्रिलर फिल्म करने जा रही हैं. सूत्रों की मानें तो श्रद्धा एकता कपूर के साथ कई फिल्मों पर बात कर रही थीं और इनमें से एक है राही की हाई-कॉन्सेप्ट थ्रिलर. इसकी स्क्रिप्ट तैयार है और श्रद्धा को कहानी इतनी पसंद आई कि वो इसे स्त्री 2 के बाद परफेक्ट मान रही हैं।

रणबीर कपूर की रामायण बनेगी ब्लॉकबस्टर

रणबीर कपूर आ रहे हैं. पर फिलहाल कई महीने बचे हैं, लेकिन उनकी वापसी सॉलिड होने वाली है. जो काम शाहरुख खान करते हैं, रणबीर कपूर भी कुछ वैसा ही कर चुके हैं. बस फर्क इतना है कि बाकी स्टार्स फ्लॉप के बाद ब्रेक लेते हैं, वो तो तबाही मचाने के बाद अगली आंधी उठाने की तैयारी में हैं. यूं तोखाते में इस वक्त कई बड़ी फिल्में हैं. कुछ की शूटिंग वो पूरी कर चुके हैं, तो कुछ पर अब भी काम हो रहा है. जैसे-संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर'. पर सबसे ज्यादा चर्चा में उनकी जिसका पहला पार्ट साल 2026 दिवाली पर आएगा. वहीं, दूसरा हिस्सा 2027 दिवाली पर लाने की प्लानिंग है.रणबीर कपूर की इस फिल्म में कई बड़े सितारे एक साथ दिखने वाले हैं. यूं तो फिल्म को ब्लॉकबस्टर बनाने की कई वजहें होती हैं. और इस फिल्म में वो सब है, जो लोगों के दिल के करीब है. ऐसे स्टार्स हैं, जो एकदम अलग अंदाज में दिखाई देंगे, जैसे पहले न देखे गए हों. क्या हैं वो 5 वजहें, जो फिल्म को बंपर ब्लॉकबस्टर बना सकती हैं.1. रणबीर कपूर- पहला तो नाम ही काफी है. रणबीर कपूर इसे देश की सबसे बड़ी फिल्म बनाने की गारंटी हैं. इसकी वजह है उन्हें लेकर बना वो बज, जो 2023 में आई एनिमल के बाद बना था. एनिमल ने दुनियाभर से 915 करोड़ छापे थे, जिसके बाद से ही उनका स्टारडम सातवें आसमान पर है. रणबीर कपूर की सबसे अच्छी बात यह है कि वो प्रोजेक्ट काफी सोच समझकर चुनते हैं. बेशक फिल्में कैसा भी परफॉर्म करे, उसका कंटेंट लोगों को निराश नहीं करता. यही वजह है कि लोग जानते हैं कि फिल्म अच्छी ही होगी. साथ ही कमर्शियल चार्म और अभिनय की तो क्या बात करनी, वो आप जानते ही हैं. इस फिल्म के लिए उन्होंने तगड़ा ट्रांसफॉर्मेशन भी किया है. साथ ही राम के लुक में उनकी जो तस्वीर सामने आई है, वो एकदम सॉलिड है.2. नीतेश तिवारी- फिल्म के डायरेक्शन की जिम्मेदारी नीतेश तिवारी ने अपने कंधों पर ली है. वो गाड़ी के ड्राइवर हैं, जिनके हाथ में सबकुछ है. वो भारत को सबसे बड़ी फिल्म दे चुके हैं, जो 2000 करोड़ कमाने वाली 'दंगल' है. पुष्पा 2 ने खूब कमाया, लेकिन इसका रिकॉर्ड अबतक कोई तोड़ नहीं पाया है. वो दंगल से हटकर 'छिछोरे' जैसी सुंदर फिल्म भी बना चुके हैं. पर रामायण को लेकर उन्होंने एक अलग लेवल पर चीजें रखने की प्लानिंग की है. वो बिना ओवर किए इसे सटीक रखने पर फोकस कर रहे हैं. हर एक छोटी-छोटी चीज को रामायण की मूल भावना के अनुरूप बनाए जाने पर काम हो रहा है. वैसे भी वो जानते हैं कि लोग क्या चाहते हैं, तो फिर गलती की संभावना कम हो जाती है.3. सनी देओल बनेंगे हनुमान- यहां बात सनी देओल के सिर्फ भगवान हनुमान के किरदार में दिखने की नहीं है. यह एक जरूरी प्वाइंट है. लेकिन असली इंपोर्टेंट नाम वो खुद हैं. जो गदर 2 से कमबैक कर गर्दा उड़ा चुके हैं. उनकी मासी इमेज फिल्म को ऑडियंस के बीच दूर-दूर तक पहुंचने में मदद करेगी. रणबीर कपूर को लेकर ज्यादा माहौल सेट है. पर जो काम सनी पाजी कर सकते हैं, वो दूसरा कोई नहीं कर पाएगा. वो ऐसे एक्टर है, जिनका अपना अलग फैन बेस है, जो सिर्फ उनके लिए थिएटर तक आत हैं. बाकी तो आप जानते ही हैं।

रियलिटी शोज स्क्रिप्टेड होते हैं: टेरेंस लुईस

टेरेंस लुईस बॉलीवुड के मोस्ट पॉपुलर कोरियोग्राफर में से एक हैं. वे छोटे पर्दे पर कई डांस रियलिटी शोज में जज के तौर पर नजर आ चुके हैं. वहीं टेरेंस ने एक इंटरव्यू में रियलिटी शो के बारे में चौंकाने वाला खुलासा करते हुए माना कि ये अक्सर स्क्रिप्टेड होते हैं. इतना ही नहीं उन्होंने अनस्क्रिप्टेड कम्प्टीशन के पीछे की सच्चाई को भी उजागर किया और खुलासा किया कि टेलीविजन दर्शकों के लिए जानबूझकर कुछ खास मोमेंट बनाए जाते हैं.दरअसल पिंकविला से बातचीत में टेरेंस को चेन्नई एक्सप्रेस के प्रमोशन के दौरान डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स में दीपिका पादुकोण के साथ डांस करते हुए उनकी एक पुरानी तस्वीर दिखाई गई थी. उस फोटो पर रिएक्शन देते हुए उन्होंने बताया कि ऐसे पल शायद ही कभी अचानक आते हैं, क्योंकि हकीकक ये है कि ये पहले से ही प्लान किए जाते हैं. टेरेंस ने आगे कहा, बहुत से लोग मानते हैं कि हम डांस करना चाहते हैं, लेकिन रियलिटी ये है कि हमें इन पलों को बनाने के लिए कहा जाता है. इसलिए जब आप पूछते हैं कि क्या चीजें स्क्रिप्टेड होती हैं तो हां, गेस्ट्स और कंटेस्टेंट्स के इंटरेक्शन पहले से प्लान्ड होता है. हालांकि, डांस, जजमेंट, टैलेंट और कमेंट्स ऑथेंटिक रहते हैं. लेकिन कुछ भी जो एक ग्रेट प्रोमो मोमेंट बनाता है? वह स्क्रिप्टेड होता है.दीपिका के साथ वायरल डांस को याद करते हुए, उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें स्टेड पर एक ड्रामैटिक मोमेंट बनाने के लिए कहा गया था. एक्ट्रेस को इसके बारे में पता नहीं था, और उन्हें रियलटाइम में इम्प्रोवाइज करना पड़ा. उन्होंने कहा, टेलीविजन माफ नहीं करता. इसमें न तो समय है और न ही बजटयरियलिटी शो ट्रॉप को लेकर टेरेंस ने कहा, मेल जज अभिनेत्रियों को मंच पर लाने में मदद करते हैं। टेरेंस ने इसे पूरी तरह से स्क्रिप्टेड कहा. उन्होंने क्लियर किया, मैं ऐसा कभी नहीं करूंगा. अपने आठ साल के जजिंग में, मैंने कभी किसी कंटेस्टेंट या सेलिब्रिटी को इस तरह स्टेज पर इनवाइट नहीं किया।

सब्र की जरूरत होती है: श्रीलीला

श्रीलीला एक्ट्रेस होने के साथ-साथ एक डॉक्टर भी हैं. अब हाल ही में श्रीलीला ने बताया कि उन्होंने फिल्मों के साथ-साथ MBBS की पढ़ाई कैसे कर रही हैं. उन्होंने डीवाई पाटिल यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की है.

साउथ एक्ट्रेस श्रीलीला आज सफलता के उस मुकाम पर हैं, जहां हर बड़ा फिल्म मेकर उनके साथ काम करना चाहता है. साउथ इंडस्ट्री में अपनी अदाकारी का परचम लहराने के बाद श्रीलीला जल्द ही बॉलीवुड में कदम रखने वाली हैं. आपको ये जानकर हैरानी होगी कि श्रीलीला एक्ट्रेस होने के साथ-साथ एक डॉक्टर भी हैं. अब हाल ही में श्रीलीला ने बताया कि उन्होंने फिल्मों के साथ-साथ MBBS की पढ़ाई कैसे कर रही हैं.

मुझे ये सब्जेक्ट पसंद है- श्रीलीला

बॉलीवुड बबल को दिए एक इंटरव्यू में श्रीलीला ने कहा, आपको बस थोड़ा मजबूत इरादा और सब्र चाहिए. साथ ही ये पता होना चाहिए कि कब दिमाग को आराम देना है और कब फोकस करना है. कुछ दिन ऐसे भी थे, जब मुझे लगा कि मैं पागल हो जाऊंगी, लेकिन फिर भी मुझे दोनों काम करने में मज़ा आया. मुझे डॉक्टर बनना बहुत पसंद है, मुझे यह सब्जेक्ट सच में बहुत अच्छा लगता है और मैं अपना ज़्यादातर समय इसकी पढ़ाई में ही बिताती हूं.

अपने इस पक्के इरादे के साथ श्रीलीला युवाओं के लिए एक मिसाल कायम कर रही हैं. उन्होंने ये साबित किया है कि सफलता तभी मिलती है जब आप अपने लक्ष्य पर ध्यान रखो, लगातार मेहनत करो और अपने सफर को थोड़ा एंजॉय भी करो.

डीवाई पाटिल यूनिवर्सिटी से की पढ़ाई

बता दें कि 25 साल की श्रीलीला ने मुंबई के डीवाई पाटिल यूनिवर्सिटी से अपनी मेडिकल पढ़ाई की है. इस साल की शुरुआत में एक्ट्रेस के डिग्री हासिल करने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं।

जनशताब्दी एक्सप्रेस में 'बम' की अफवाह से मचा हड़कंप, जांच में सामने आई शराब तस्करी

बक्सर (संवाददाता)। गुरुवार को गाड़ी संख्या 15125 जनशताब्दी एक्सप्रेस में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक महिला यात्री द्वारा 'बम' होने की आशंका जताई गई। सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा तंत्र पूरी तरह सतर्क हो गया और मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी गई।

जानकारी के अनुसार, दानापुर स्थित सुरक्षा नियंत्रण कक्ष को एक महिला यात्री ने सूचित किया कि ट्रेन के डी-15 कोच में सफर कर रही एक महिला के शरीर पर बम बंधा हुआ प्रतीत हो रहा है। यह सूचना मिलते ही दानापुर से बक्सर आरपीएफ निरीक्षक प्रभारी कुंदन कुमार को अलर्ट किया गया। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए उन्होंने बिना देर किए डुमरांव स्टेशन पर तैनात आरपीएफ टीम को विशेष निर्देश जारी किए।

निर्देश के तहत आरपीएफ के आरक्षी राजमुकुल कुमार और प्रधान आरक्षी मुकेश रोशन को अलर्ट कर दिया गया। साथ ही यह सुनिश्चित किया गया कि ट्रेन के डुमरांव स्टेशन पहुंचते ही संदिग्ध कोच की सघन तलाशी महिला रेलकर्मी की मौजूदगी में की जाए, ताकि किसी भी तरह की चूक न हो। जीआरपी की टीम को भी सहयोग के लिए मौके पर बुलाया गया।

जैसे ही जनशताब्दी एक्सप्रेस डुमरांव स्टेशन पहुंची, आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए डी-15 कोच को घेर लिया और यात्रियों के बीच किसी प्रकार की घबराहट न फैले, इसका भी ध्यान रखा गया। महिला रेल कर्मचारी चंद्रावती देवी की उपस्थिति में संदिग्ध महिला की पहचान की गई और उसे अलग ले जाकर पूछताछ शुरू की गई। पूछताछ के दौरान महिला ने अपना नाम ममता कुमारी (लगभग 29 वर्ष) बताया, जो भोजपुर जिले के बिहिया की निवासी है। प्रारंभिक जांच में कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली, लेकिन जब महिला की गहन तलाशी ली गई तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। उसके शरीर पर बड़ी ही चालाकी से छुपाकर 14 बोतल अंग्रेजी शराब बांधी गई थी।

जांच अधिकारियों के अनुसार, शराब को इस तरह से शरीर के साथ बांधा गया था कि बाहर से देखने पर वह किसी संदिग्ध वस्तु या बम जैसा प्रतीत हो रहा था। इसी वजह से एक सहयात्री भ्रमित हो गई और उसने तत्काल इसकी सूचना दे दी। हालांकि, समय रहते जांच होने से स्थिति स्पष्ट हो गई और किसी भी तरह की अफवाह या दहशत फैलने से रोक लिया गया। बरामद की गई शराब को मौके पर ही जब्त कर लिया गया और महिला को हिरासत में लेकर बक्सर लाया गया। बाद में उसे आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी बक्सर के हवाले कर दिया गया। अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में शराब तस्करी के एंगल से जांच जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि महिला इस अवैध कारोबार में अकेले शामिल थी या इसके पीछे कोई संगठित गिरोह भी सक्रिय है। इस पूरी घटना ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि सतर्कता, त्वरित सूचना और समय पर की गई कार्रवाई से संभावित खतरों और अफवाहों पर प्रभावी ढंग से काबू पाया जा सकता है। साथ ही, यह मामला रेलवे में हो रही तस्करी की गतिविधियों की ओर भी इशारा करता है, जिस पर सुरक्षा एजेंसियां लगातार नजर बनाए हुए हैं।

Mount Litera Zee School का बड़ा फैसला

जिला टॉपर्स को 12वीं तक मुफ्त शिक्षा, टैबलेट और किताबें भी मिलेंगी

बक्सर (संवाददाता)। शिक्षा के क्षेत्र में एक सराहनीय और प्रेरणादायक पहल करते हुए माउंट लिटेरा जी स्कूल, बक्सर ने 10वीं कक्षा के जिला टॉपर्स के लिए विशेष प्रोत्साहन योजना की घोषणा की है। इस पहल के तहत सीबीएसई, आईसीएसई और बिहार बोर्ड के जिला टॉपर्स को 12वीं कक्षा तक पूरी तरह नि:शुल्क शिक्षा प्रदान की जाएगी। विद्यालय के इस निर्णय को जिले में शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

इस संबंध में विद्यालय परिसर में आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान निदेशक सत्येंद्र सिंह, प्राचार्य डॉ. एस. के. सिंह एवं उप-प्राचार्य विजया मिश्रा ने संयुक्त रूप से योजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चयनित मेधावी विद्यार्थियों को 11वीं कक्षा में नामांकन के समय किसी भी प्रकार का प्रवेश शुल्क नहीं देना होगा और उनकी पढ़ाई का पूरा खर्च विद्यालय द्वारा वहन किया जाएगा।

विद्यालय प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि इस योजना के अंतर्गत चयनित टॉपर्स को केवल ट्यूशन फीस में ही छूट नहीं दी जाएगी, बल्कि उन्हें यूनिफॉर्म, पाठ्यपुस्तकें और एक आधुनिक टैबलेट भी प्रदान किया जाएगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजिटल युग के अनुरूप बेहतर शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपनी पढ़ाई को और अधिक प्रभावी तरीके से आगे बढ़ा सकें और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी में भी मजबूत बन सकें।

इसके साथ ही, विद्यालय ने अन्य मेधावी विद्यार्थियों के लिए भी राहत भरी घोषणा की है। जिन छात्रों ने 10वीं की परीक्षा में 90 प्रतिशत या

उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं, लेकिन वे जिला टॉपर की सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं, उन्हें भी 12वीं तक की पढ़ाई के दौरान 50 प्रतिशत तक फीस में छूट दी जाएगी। इस कदम से अधिक से अधिक छात्रों को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

विद्यालय के निदेशक सत्येंद्र सिंह ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल शिक्षा प्रदान करना नहीं, बल्कि प्रतिभाशाली छात्रों को आगे बढ़ने के लिए हर संभव अवसर देना है।

उन्होंने बताया कि आर्थिक बाधाओं के कारण कोई भी मेधावी छात्र अपनी पढ़ाई से वंचित न रह जाए, इसी सोच के साथ इस योजना को शुरू किया गया है। वहीं प्राचार्य डॉ. एस. के. सिंह ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ सही मार्गदर्शन और संसाधनों की भी आवश्यकता होती है। यह योजना छात्रों को न केवल आर्थिक सहयोग देगी, बल्कि उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित भी करेगी।

न्यू दिल्ली पब्लिक स्कूल में मेधावी छात्रों का भव्य सम्मान, एडीएम अरुण कुमार सिंह ने दिया सफलता का मंत्र

बक्सर (संवाददाता)। न्यू दिल्ली पब्लिक स्कूल में गुरुवार को वार्षिक परीक्षा सत्र 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों के सम्मान में एक भव्य एवं प्रेरणादायक समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर पूरी तरह उत्सव के रंग में रंगा नजर आया, जहां छात्र-छात्राओं, अभिभावकों और शिक्षकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। समारोह के मुख्य अतिथि एडीएम बक्सर अरुण कुमार सिंह रहे, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति ने पूरे आयोजन को विशेष बना दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि के भव्य स्वागत से हुई। विद्यालय के निदेशक सच्चिदानन्द सिंह, मैनेजिंग डायरेक्टर पंकज सिंह, सचिव अनीता सिंह और प्राचार्य राजीव सिंह ने पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इसके बाद दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया गया। मंच पर उपस्थित सभी अतिथियों ने शिक्षा के महत्व और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के प्रारंभिक चरण में विद्यालय की शिक्षिका शिवानी सिंह द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया और सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया।

इसके पश्चात सम्मान समारोह की मुख्य कड़ी शुरू हुई, जिसमें नर्सरी से लेकर कक्षा 8 तक के मेधावी विद्यार्थियों को मंच पर बुलाकर ट्रॉफी, मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। जब छात्र अपने-अपने पुरस्कार लेने मंच पर पहुंचे तो पूरे परिसर में तालियों की गूंज सुनाई दी, जिससे उनका उत्साह और भी बढ़ गया। इस दौरान अभिभावकों के चेहरे पर गर्व साफ झलक रहा था। मुख्य अतिथि एडीएम अरुण कुमार सिंह ने अपने संबोधन में छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत, अनुशासन और समय प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जो विद्यार्थी अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहते हैं और निरंतर प्रयास करते हैं, वही आगे चलकर बड़ी उपलब्धियां हासिल करते हैं। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे असफलताओं से घबराएं नहीं, बल्कि उन्हें सीख के रूप में स्वीकार कर आगे बढ़ें।

विद्यालय प्रबंधन ने भी इस अवसर पर अपनी बात रखते हुए छात्रों की सफलता का श्रेय उनकी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग को दिया। निदेशक सच्चिदानन्द सिंह ने कहा कि विद्यालय में हर वर्ष मेधावी छात्रों को सम्मानित करने की परंपरा रही है, जिससे बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है और वे बेहतर करने के लिए प्रेरित होते हैं। वहीं प्राचार्य राजीव सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करते हैं। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी सभी का मन मोह लिया। छात्रों द्वारा प्रस्तुत गीत, नृत्य और अन्य कार्यक्रमों ने समारोह को और अधिक आकर्षक बना दिया। पूरे आयोजन के दौरान अनुशासन और उत्साह का सुंदर समन्वय देखने को मिला।

इस अवसर पर सम्मानित किए गए प्रमुख टॉपर्स में नर्सरी से अंश यादव, नित्या पांडे और अंशु कुमार; एलकेजी से रियांश, प्रिंस अल्बर्ट, अर्पिता कुमारी और आयुषी कुमारी; यूकेजी से आद्या सिंह, आदर्श कुमार, मयंक प्रताप सिंह और श्रीधा मिश्रा; कक्षा 1 से शिवांश ओझा, निधि कुमारी और शिवांश कुमार; कक्षा 2 से ज्ञांश कुमार, साक्षी कुमारी और रुद्र प्रताप सिंह; कक्षा 3 से आर्यन सिंह, ज्योत्सना कुमारी और प्रियांशु चौधरी; कक्षा 4 से पल्लवी कुमारी, आर्यन कुमार और शौर्य ठाकुर; कक्षा 5 से अंश गुप्ता, रोहित कुमार और नैंसी पांडे; कक्षा 6 से सृष्टि, वैभव वत्सल और श्रेया कुमारी; कक्षा 7 से सिया कुमारी, तपस्या कश्यप और आयुष मिश्रा तथा कक्षा 8 से सलोनी कुमारी, सक्षम सिंह और प्रियांशी शाक्या शामिल रहे। समारोह के अंत में विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखने की कामना की। यह आयोजन न केवल छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत बना, बल्कि यह संदेश भी दे गया कि परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर हर लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

सीबीएसई 10वीं के नतीजों के बाद रेडियंट पब्लिक स्कूल में जश्न का माहौल

बक्सर (संवाददाता)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा 2026 का परिणाम घोषित होते ही रेडियंट पब्लिक स्कूल परिसर में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं के चेहरों पर सफलता की चमक साफ झलक रही थी। विद्यालय परिसर जश्न के रंग में डूबा नजर आया, जहां बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों ने इस उपलब्धि को मिलकर मनाया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य जय प्रकाश सिंह उर्फ राजेश सिंह ने इस शानदार परिणाम पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस वर्ष विद्यालय के छात्रों ने अपेक्षा से बेहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने बताया कि यह सफलता छात्रों की कड़ी मेहनत, अनुशासन, अभिभावकों के सहयोग और शिक्षकों के निरंतर मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह उनकी मेहनत का प्रतिफल है और उन्हें आगे भी इसी तरह अपने लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ते रहना चाहिए।

परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मेडल पहनाकर और माला पहनाकर सम्मानित किया गया।

100% रिजल्ट के साथ हेरिटेज स्कूल अर्जुनपुर ने रचा इतिहास, अंबरीश और आशीष बने संयुक्त टॉपर

बक्सर (संवाददाता)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा घोषित कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा 2026 के परिणाम में हेरिटेज स्कूल, अर्जुनपुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विद्यालय ने इस वर्ष शत-प्रतिशत (100%) परिणाम हासिल कर न केवल अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता को साबित किया, बल्कि जिले में अपनी अलग पहचान भी बनाई। सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि इस बार एक भी छात्र अनुत्तीर्ण नहीं हुआ, जो विद्यालय के अनुशासित वातावरण, शिक्षकों की मेहनत और विद्यार्थियों के समर्पण को दर्शाता है।

इस वर्ष के परीक्षा परिणाम में अंबरीश आनंद पाठक और आशीष राज ने 94-94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से प्रथम स्थान हासिल किया और विद्यालय का गौरव बढ़ाया। वहीं स्वस्तिका राय ने 93.2 प्रतिशत अंक के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा कस्तूरी मिश्रा ने 91.4 प्रतिशत और नमन पाण्डेय ने 91.2 प्रतिशत अंक हासिल कर टॉपर्स की सूची में अपना स्थान सुनिश्चित किया। इन सभी विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने विद्यालय परिवार को गौरवान्वित किया है।

परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में खुशी की लहर दौड़ गई। छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और अभिभावकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर इस उपलब्धि का जश्न मनाया। विद्यालय का माहौल उत्साह और गर्व से भर उठा, जहां हर कोई इस सफलता को साझा करता नजर आया।

विद्यालय के प्रेसिडेंट प्रेम कुमार पाठक ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं और आशीर्वाद देते हुए कहा कि यह उपलब्धि केवल अंकों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह छात्रों के कठिन परिश्रम, अनुशासन और आत्मविश्वास का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों को आगे भी इसी तरह मेहनत करते रहने की प्रेरणा दी और कहा कि यह सफलता उनके जीवन की एक महत्वपूर्ण सीढ़ी है, जिसके बाद उन्हें और भी बड़े लक्ष्यों की ओर बढ़ना है। विद्यालय की प्राचार्या डॉ. सुषमा कुमारी ने परिणाम पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों ने पूरे वर्ष जिस लगन, मेहनत और अनुशासन के साथ तैयारी की, उसी का यह उत्कृष्ट परिणाम है। उन्होंने कहा कि विद्यालय हमेशा छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है वहीं विद्यालय के निदेशक डॉ. प्रदीप पाठक ने इस सफलता को सामूहिक प्रयास का परिणाम बताते हुए कहा कि यह उपलब्धि केवल विद्यार्थियों की नहीं, बल्कि शिक्षकों, अभिभावकों और पूरे हेरिटेज परिवार की संयुक्त मेहनत का नतीजा है। उन्होंने कहा कि इस तरह के परिणाम विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखते हैं और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मतिउर्रहमान द्वारा अजीमाबाद प्रिंटर्स, आर. सी. एफ./105, ग्राउण्ड फ्लोर, बी. एच. कॉलोनी, भूतनाथ रोड, कंकड़बाग, पटना- 800026 बिहार से मुद्रित एवं अमला टोली, मेन रोड़, बक्सर -802101, बिहार से प्रकाशित, संपादक- मतिउर्रहमान, E-mail:- qalamlok@gmail.com, Regn. No. BIHHIN/2017/72480